RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:61 ता. 24 अगस्त 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

चांद पर पहुंचने वाला चौथा देश बना भारत

- 3 सितंबर, 1959 को रूस ने लूना 2 रॉकेट को चांद पर उतारा था।
- 20 जुलाई, 1969 को अमेरिका ने अपोलो 11 अभियान के तहत अमेरिकी अंतरिक्षयात्री नील आर्मस्ट्रांग को चांद पर भेजा था।
- 3 जनवरी, 2019 को चीन ने चांद के पिछले हिस्से में अपना चांगे-4 शोध यान उतारा था।
- 4 अगस्त, 2023 को भारत ने चांद पर चंद्रयान-3 को उतारा।

आज हम चांद पर हैं

चांद को चूमने पर ये उम्मीदें हर भारतीय के दिल में खुशी बनकर फूटी

मुंबई ।

सांप और साधुओं का देश कहा जाने वाला भारत आज स्पेस टेक्नोलॉजी में दुनिया के ताकतवर देशों के साथ खड़ा है। भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर इसने चांद की सतह को छुआ। भारत चंद्रयान-3 मिशन के साथ चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बन गया है। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान का रोवर चांद की सतह का अध्ययन करेगा और यह लैंडर के अंदर बैठकर गया है। लैंडर के मिशन की पूरी अवधि एक चंद्र दिवस की रहने वाली है, जो पृथ्वी के 14 दिन के बराबर है। पिछली बार क्रैश लैंडिंग हुई थी। पर इस बार अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत चांद की सतह पर लैंड करने वाला चौथा देश बन गया है। स्पेस के क्षेत्र में हमारी विशेषज्ञता में जबर्दस्त इजाफा हुआ है। भारत के चंद्रयान-3 को सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता से भारत ऐसा करने वाला दुनिया का चौथा देश तो बना ही है साथ ही दक्षिणी ध्रुव के इलाके में लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी ने बुधवार शाम चंद्रमा पर एक रोवर को उतारकर अंतरिक्ष अन्वेषण में एक शक्ति और अंतरिक्ष वाणिज्य की नई सीमा के रूप में देश के आगमन को चिह्नित किया है। 75 मिलियन डॉलर से कम के बजट पर निर्मित, चंद्रयान-3, जिसका संस्कृत में अर्थ है चंद्रमा वाहन, आज चांद पर है। अपनी पीठ पर चंद्रयान-3 आज 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों को साकार कर चुका है। चांद को चूमने पर ये उम्मीदें हर भारतीय के दिल में खुशी बनकर फूटी है। पूरा देश खुशियां मना रहा है। पिछली बार जो कसक रह गई थी, इस बार सब मंगल हुई। जी हां, आज हम चांद पर है। पूरे देश को बेसब्री से चंद्रयान की लैंडिंग का इंतजार था वो खत्म हुआ। मिशन की सफलता से भारत संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ और चीन वाले देशों के एक छोटे समूह में शामिल हो गया है, जिन्होंने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की है। इस साल की शुरुआत में एक जापानी स्टार्ट-अप का प्रयास ऊंचाई की गलत गणना के कारण लैंडर के दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ समाप्त हुआ, जिसका मतलब था कि अंतरिक्ष यान का ईंधन खत्म हो गया था। स्पेसआईएल और इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) द्वारा निर्मित एक इज़राइली अंतरिक्ष यान भी इस साल की शुरुआत में चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। 2020 में चंद्रयान-2 मिशन में एक ऑर्बिटर को सफलतापूर्वक तैनात करने के बाद भारत का अंतरिक्ष उद्योग इस मिशन से मुक्ति की तलाश से, लैंडर और रोवर को उतारने में सफल हुए। चंद्रयान-2 मिशन को स्थायी रूप से छाया वाले चंद्रमा के क्रेटर का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

चांद पर लैंड करते ही चंद्रयान-3 का पहला मैसेज

चांद पर लैंड करते ही चंद्रयान-3 का पहला मैसेज आया है।
'भारत, मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया और तुम्हें भी!'
चंद्रयान-3 ने लैंड करते ही अपना संदेश भारत को भेजा है।

अब खगोलीय रहस्यों का खुलेगा परत-दर परत

इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान -3 को चांद की ऐसी सतह पर उतरा है जो मुश्किलों की जाल से घिरी है। सबसे बड़ी चुनौती यहां का अंधेरा था। यहां पर लैंडर बिक्रम को उतारना काफी मुश्किल था क्योंकि चांद पर पृथ्वी की तरह वायुमंडल नहीं है। हमारे वैज्ञानिकों ने मुश्किलों को 'राई' बनाकर पुरानी गलतियों से बड़ी सबक लेते हुए चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर 'प्रज्ञान' को चांद के उस आगोश में पहुंचाकर सांस ली, जहां से कई खगोलीय रहस्यों का परत-दर परत खुलेगा।

अमृत काल की प्रथम प्रभा में सफलता की ये अमृतवर्षा हुई है- मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि जब हम अपनी आंखों के सामने ऐसा इतिहास बनते हुए देखते हैं। तो जीवन धन्य हो जाता है। ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्र जीवन की चिरंजीव चेतना बन जाती हैं। ये पल अविस्मरीण, ये क्षण अभूतपूर्व है। ये क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है। ये क्षण नए भारत के जयघोष ये क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। ये क्षण जीत के चंद्रपथ पर चलने का है। ये क्षण 140 करोड़ धड़कनों के समार्थ्य का है। ये क्षण भारत में नई ऊर्जा, नया विश्वास,नई चेतना का है। ये क्षण भारत के उदयमान भाग्य के आह्वान का है। अमृत काल की प्रथम प्रभा में सफलता की ये अमृतवर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया। इंडिया इज नाउ ऑन द मून। आज हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साथी बने। मोदी ने कहा कि साइंस और टेक्नोलॉजी देश के उज्जवल भविष्य का आधार है। इसलिए आज के इस दिन को देश हमेशा-हमेशा के लिए याद रखेगा। ये दिन हम सभी को उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। ये दिन हमें अपने संकल्पों की सिद्धि का रास्ता दिखाएगा। ये दिन इस बात का प्रतीक है कि हार से सबक लेकर जीत कैसे हासिल की जाती है। पीएम मोदी ने कहा कि 15वीं ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने के लिए मैं दक्षिण अफ्रीका में हूं। लेकिन हर देशवासी की तरह मेरा मन चंद्रयान महाभियान पर भी लगा हुआ है। नया इतिहास बनते ही हर भारतीय जश्न डूब गया है। हर घर में उत्सव शुरू हो गया। मैं भी अपने देशवासियों के साथ, अपने परिवारजनों के साथ इस उमंग और उल्लास से जुड़ा हुआ हूं। मैं टीम चंद्रयान को, इसरो को और देश के सभी वैज्ञानिकों को बहुत बहुत बधाई देता हूं। जिन्होंने इस पल के लिए वर्षों तक इतना परिश्रम किया है। उत्साह, उमंग और आनंद और भावुकता से भरे इस पल के लिए 140 करोड़ देशवासियों को कोटि, कोटि बधाई देता हूं।

तीन बड़ी चुनौतियां को किया पार

- सबसे पहले लैंडर की स्पीड को कंट्रोल में रखा। पिछली बार तेज रफ्तार की वजह से लैंडर क्रैश हो गया था और इसरो से संपर्क टूट गया था, हाल ही में रूस के लूना-25 के साथ भी ऐसा ही हुआ।
- दूसरा सबसे बड़ा चैलेंज यह था कि लैंडर चंद्रयान-3 उतरते समय सीधा रहे। इसका सीधा चांद की सतह पर उतरना बेहद जरूरी है, वहीं तो संपर्क टूटने की आशंका है।
- वहीं तीसरी चुनौती थी कि **ISRO** द्वारा सेलेक्ट की गई जगह पर ही लैंडिंग हो। पिछली बार ऊबड़-खाबड़ जगह से लैंडर टकराने की वजह से चंद्रयान-2 क्रैश हो गया था।

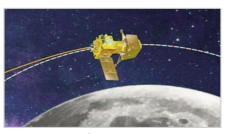

सामूहिक संकल्प का नतीजा

कांग्रेस ने चंद्रयान-3 की सफल 'लैंडिंग' को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की बेमिसाल उपलब्धि करार देते हुए बुधवार को कहा कि यह किसी एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प का नतीजा है।

वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का परिणाम

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चंद्रयान-3 की सफल 'लैंडिंग' को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की शानदार उपलब्धि करार दिया है। कांग्रेस नेता नेता ने बुधवार को कहा कि यह सफलता वैज्ञानिक समुदाय की प्रतिभा और कड़ी मेहनत का परिणाम है।

देश का 54वां बाघ अभ्यारण्य और राजस्थान को पांचवा करौली और धौलपुर में बनेगा

मोदी सरकार ने दी इसकी सैद्धांतिक मंजूरी

धौलपुर। राजस्थान के करौली और धौलपुर जिलों में टाइगर रिजर्व (बाघ अभ्यारण्य) बनाया जाएगा। राष्ट्रीय बाघ सरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। करौली और धौलपुर में बनने वाला ये टाइगर रिजर्व (बाघ अभ्यारण्य) देश का 54वां अभ्यारण्य होगा जो बाघों को समर्पित होगा। राजस्थान में खुलने वाला ये पांचवा टाइगर रिजर्व होगा। ये जानकारी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन के केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने दी है। बता दें कि वर्तमान में राजस्थान में रणथम्भौर, सरिस्का, मुकुंद्रा हिल्स और रामगढ़ विषधारी यानी कुल चार बाघ अभ्यारण्य है। इसके बाद यह पांचवा बाघ अभयारण्य है जो राजस्थान में शुरू होगा। वहीं कुम्भलगढ़ को बाघ अभ्यारण्य घोषित करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा, ''यह जानकारी साझा करते हुए खुशी हो रही है कुम्भलगढ़ को बाघ अभ्यारण्य घोषित करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि इस कदम से इकोटूरिज्म के द्वारा रोजगार के अवसर को बढ़ावा मिलेगा। एनसीटीए ने प्रस्ताव को चार अगस्त को मंजूरी दी और मंगलवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने मंजूरी दी। प्रस्तावित कुम्भलगढ़ अभ्यारण्य करीब 2800 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। एनटीसीए सदस्य एवं राजसमंद से सांसद दिया कुमारी ने कहा, ''आज मेवाड़ के लिए ऐतहासिक दिन है और परियोजना को हरी झंडी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने कहा, मैंने कई बाधाओं के बावजूद पूरी कोशिश इस परियोजना को जमीन पर लाने के लिए की।

इंटनेशनल मीडिया में छा गया भारत

- वहीं इंटरनेशनल मीडिया में भी भारत की कामयाबी की जमकर प्रशंसा हो रही है। अंग्रेजी अखबारों व न्यूज बेवसाइटों में शानदार हैडिंग में भारत का चंद्रयान पूरी तरह से छाया हुआ है। ब्रिटिश डेली न्यूज पेपर द गार्जियन ने तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने लिखा कि भारत चांद के साउथ पोल पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया। इसके अलावा सीएनएन ने भी प्रशंसा की। **CNN** - भारत चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला चौथा देश बन गया है।
- तो वहीं रॉयटर्स की बेवसाइट ने इसे भारत के लिए ऐतिहासिक पल बताया। वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा- बिना किसी अंतरिक्ष यात्री के भारत ने चंद्रमा की सतह पर यान उतारा।
- न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा रूस की चन्द्रमा पर लैंडिंग विफल होने के कुछ दिनों बाद चंद्रमा की दक्षिणी सतह पर पहुंचने वाला पहला देश भारत है। भारत का चंद्रयान -3 मिशन चंद्रमा के उस क्षेत्र की खोज शुरू करने के लिए तैयार हैं।
- पाकिस्तानी मीडिया डॉन - भारत का चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा

पाकिस्तान ने अमृतसर में भेजी 41 किलो हेरोइन, एसटीएफ ने तीन तस्कर किए गिरफ्तार

अमृतसर ।

पाकिस्तान की ओर से आई 41 किलो हेरोइन से हित तीन लोगों को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। इस तरह से सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के गलत इरादों पर पानी फेर दिया है। पंजाब पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मंगलवार की रात तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 41 किलो हेरोइन बरामद की है। हेरोइन की यह बड़ी खेप पाकिस्तान से रवि दरिया के माध्यम से भारत पहुंची थी। पकड़ी गई हेरोइन की खेप तस्कर रणजोध सिंह ने अपने घर में दबाकर रखी हुई थी। तीनों तस्कर इस खेप की डिलीवरी किसी को देने वाले थे, लेकिन इसकी जानकारी एसटीएफ को मिलने के बाद ट्रैप लगाकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि फिरोजपुर व अमृतसर में अगस्त में पाकिस्तान से आई 150 किलो से अधिक हेरोइन बरामद की जा चुकी है। पकड़े गए तीनों तस्वीरों की पहचान आज्ञापाल सिंह निवासी गांव घूमराय, रणजोध सिंह उर्फ राणा निवासी महिमद मंदरावाला थाना रामदास और संदीप सिंह उर्फ शेर निवासी पंज गहराइयों वाला थाना रामदास के रूप में हुई है। एसटीएफ के एआईजी मुख्तियार राय ने बताया कि एसटीएफ को सूचना मिली थी की हीरोइन की एक बड़ी खेप रावि दरिया के माध्यम से भारत पहुंची है। यह खेप तीनों तस्करों ने ले ली थी। गुप्त सूचना के आधार पर तीनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया और इनसे पूछताछ के बाद 41 किलो हीरोइन बरामद की गई। यह हेरोइन तस्कर रणजोध सिंह उर्फ राणा ने अपने घर में जमीन में दबा कर रखी हुई थी।

बसपा सत्ता या विपक्ष दोनों गठबंधनों से दूर से रहेगी दूर-मायावती

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने संगठन को मजबूत बनाने के निर्देश दिए हैं। मायावती ने संगठन को कैडर और छोटी-छोटी बैठकों के आधार गांव-गांव में मजबूत बनाने और अपने जनाधार को बढ़ाने के लिए निर्देश दिए, सर्वसमाज में जनाधार बढ़ाने के लिए पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रभारियों व अन्य जिम्मेदार लोगों के साथ मिलकर पुरानी कमियों को दूर करने को कहा है। वहीं बसपा सुप्रीमो ने आम चुनाव में गठबंधन को लेकर भी अपना पक्ष एकदम साफ कर दिया है।

बसपा नेत्री मायावती ने कहा पार्टी को अपने उम्मीदवारों के चयन में सावधानी बरतनी होगी। लोकसभा चुनाव में पार्टी सभी सीटों पर अपने दम पर चुनाव में उतरेगी। बसपा प्रमुख ने कहा कि गठबंधन की वजह से लाभ की बजाय पार्टी को नुकसान ज्यादा उठाना पड़ा है। बसपा का वोट तो स्पष्ट तौर पर गठबंधन वाली दूसरी पार्टी को ट्रांसफर हो जाती है, लेकिन दूसरी पार्टियां अपना वोट बसपा उम्मीदवारों को ट्रांसफर कराने की न सही नीयत रखती हैं और न ही क्षमता, जिससे बसपा के लोगों का मनोबल प्रभावित होता है। इसलिए बसपा सत्ता या विपक्ष दोनों गठबंधनों से दूर रहती है।

उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस दौरान कांग्रेस और बीजेपी दोनों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी की संकीर्ण जातिवादी व सांप्रदायिक राजनीति, द्वेषपूर्व व अराजकता को प्रश्रय देने की वजह से सभी लोगों का जीवन त्रस्त और दुखी है। बीजेपी अब अपना प्रभाव ही नहीं बल्कि अपना जनाधार भी खो रही है।

मणिपुर हिंसा

3 जजों की समिति ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त तीन महिला न्यायाधीशों वाली समिति ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष 3 रिपोर्ट पेश की हैं, जिसमें महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेजों को फिर से जारी करने, मुआवजा योजना के उन्नयन की जरूरत पर जोर दिया गया है और इसके कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए डोमेन विशेषज्ञों की नियुक्ति की सिफारिश की है।

सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिकाकर्ताओं और केंद्र और मणिपुर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को सुझाव के लिए इन रिपोर्टों को प्रसारित करने का आदेश दिया। पीठ ने निर्देश दिया कि सुझावों का संकलन अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर करेंगी। वे इन्हें मणिपुर राज्य के महाधिवक्ता के साथ साझा करेंगी।

संक्षिप्त सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत द्वारा नियुक्त समिति ने तीन रिपोर्ट दायर की हैं। पहली रिपोर्ट इस तथ्य पर प्रकाश डालने वाली हैं कि मणिपुर के कई निवासियों ने हिंसा में अपने आवश्यक दस्तावेज खो दिए हैं। रिपोर्ट में आधार कार्ड आदि के पुनर्निर्माण में सहायता की मांग की गई है, दूसरी रिपोर्ट मणिपुर पीड़ित मुआवजा योजना को एनएएलएसए (राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण) के अनुरूप लाने के लिए उन्नत करने की जरूरत है। तीसरी रिपोर्ट अपने कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए डोमेन विशेषज्ञों की नियुक्ति का प्रस्ताव रखा गया है।शीर्ष अदालत ने कुछ प्रक्रियात्मक निर्देश पारित करने के लिए याचिकाओं के समूह को 25 अगस्त को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महिला न्यायाधीशों, पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल, शालिनी फणसलकर जोशी और आशा मेनन की एक समिति गठित की थी।

उत्तराखंड में भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त, नदी-नाले उफान पर

देहरादून ।

उत्तराखंड में लगातार बारिश के कारण प्रदेश में सामान्य जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। प्रदेश के ज्यादातर स्थानों पर बारिश जारी रहने के कारण नदी-नाले उफान पर हैं और राष्ट्रीय राजमार्गों समेत अनेक मार्ग यातायात के लिए अवरूद्ध हो गए हैं जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, पिथौरागढ़ जिले में गौरीगंगा नदी खतरे के निशान को पार कर गई है, जबकि उधमसिंहनगर जिले में फीका बैराज में पानी का स्तर अधिकतम बाढ़ स्तर से ऊपर चला गया है। पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी और बंगापानी में गौरी गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि उधमसिंहनगर जिले के जसपुर में फीका बैराज अधिकतम जलस्तर को पार कर गया है। इनके जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखकर संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों को इस पर लगातार निगरानी रखने तथा पर्याप्त सावधानी बरतने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उधर, चमौली जिले में भी भारी बारिश के चलते नदियां पूरे उफान पर है।

जिले के थराली क्षेत्र में पिंडर और उसकी सहायक नदी प्राणमति का जल स्तर फिर बढ़ गया है जिससे तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। हालांकि, 13 अगस्त को बाढ़ जैसे हालात के मद्देनजर तट के आसपास स्थित मकानों को खाली करा लिया गया था जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। बारिश के चलते भूस्खलन होने के कारण ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग चमौली के समीप छिनका, मैठाणा, नन्दप्रयाग, पागलनाला व बेलाकुची जैसे अनेक स्थानों पर बंद हो गया है। ऋषिकेश-चंबा-धरासू राष्ट्रीय राजमार्ग टिहरी में बगड़धार के पास पहाड़ से मलबा आने के कारण यातायात हेतु अवरूद्ध है। ऋषिकेश-देवप्रयाग-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भी भूस्खलन के कारण बंद है। पौड़ी में कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात हेतु अवरूद्ध है। उधमसिंह नगर जिले में काशीपुर में ढेला नदी के ऊपर बना पुल

क्षतिग्रस्त होने से राष्ट्रीय राजमार्ग 74 बंद है। प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान अनेक स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। लीती में 183 मिमी, काशीपुर में 100 मिमी, बाजपुर में 62 मिमी,नरेंद्रनगर में 60 मिमी, मुनस्यारी में 51.5 मिमी, जसपुर और गैरसैंण में 50 मिमी,उत्तरकाशी में 49 मिमी, कर्णप्रयाग में 42, देहरादून में 41.9 मिमी, डीडीहाट में 48.2 मिमी, रूद्रपुर में 40 मिमी और चमौली में 39.4 मिमी बारिश रिकार्ड की गई।

पाकिस्तान ने अमृतसर में भेजी 41 किलो हेरोइन, एसटीएफ ने तीन तस्कर किए गिरफ्तार

अमृतसर । पाकिस्तान की ओर से आई 41 किलो हेरोइन सहित तीन लोगों को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। इस तरह से सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के गलत इरादों पर पानी फेर दिया है। पंजाब पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मंगलवार की रात तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 41 किलो हेरोइन बरामद की है। हेरोइन की यह बड़ी खेप पाकिस्तान से रवि दरिया के माध्यम से भारत पहुंची थी। पकड़ी गई हेरोइन की खेप तस्कर रणजोध सिंह ने अपने घर में दबाकर रखी हुई थी। तीनों तस्कर इस खेप की डिलीवरी किसी को देने वाले थे, लेकिन इसकी जानकारी एसटीएफ को मिलने के बाद ट्रैप लगाकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि फिरोजपुर व अमृतसर में अगस्त में पाकिस्तान से आई 150 किलो से अधिक हेरोइन बरामद की जा चुकी है। पकड़े गए तीनों तस्करों की पहचान आझापाल सिंह निवासी गांव घुमराय, रणजोध सिंह उर्फ राणा निवासी महिमद मंदरावाला थाना रामदास और संदीप सिंह उर्फ शेर निवासी पंज गहराइयों वाला थाना रामदास के रूप में हुई है। एसटीएफ के एआईजी मुखियार राय ने बताया कि एसटीएफ को सूचना मिली थी की हीरोइन की एक बड़ी खेप रावि दरिया के माध्यम से भारत पहुंची है। यह खेप तीनों तस्करों ने ले ली थी। गुप्त सूचना के आधार पर तीनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया और इनसे पूछताछ के बाद 41 किलो हीरोइन बरामद की गई। यह हेरोइन तस्कर रणजोध सिंह उर्फ राणा ने अपने घर में जमीन में दबा कर रखी हुई थी।

जी-20 सम्मेलन के दौरान दिल्ली में रहेगा सार्वजनिक अवकाश, केजरीवाल ने दी मंजूरी

नई दिल्ली । जी-20 सम्मेलन के दौरान दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस प्रस्ताव पर दिल्ली सरकार ने मुहर लगा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर दिल्ली में 8 से 10 सितंबर तक सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन तारीखों पर एमसीडी कार्यालयों सहित सभी स्कूल, सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। सभी स्कूल, शहर सरकार और दिल्ली नगर निगम के कार्यालय और निजी कार्यालय अब तीन दिनों के दौरान बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार, नई दिल्ली पुलिस जिले के अधिकार क्षेत्र में स्थित बैंकों और वित्तीय संस्थानों सहित सभी वाणिज्यिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी 8 से 10 सितंबर तक बंद रहेंगे। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस प्रस्ताव पर फाइल मुख्य सचिव नरेश कुमार ने मंजूरी के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री के पास भेजा था। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद इसे एलजी की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। वहीं 18 अगस्त को, दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त मधुप तिवारी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सुझाव दिया कि सरकार 8-10 सितंबर के जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान सार्वजनिक अवकाश घोषित करें और नई दिल्ली क्षेत्र में स्थित अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करने के निर्देश जारी करें। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से सुप्रीम कोर्ट और केंद्रीय सचिवालय समेत कुछ मेट्रो स्टेशन भी बंद किए जाने की संभावना है। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर भारी वाहनों को भी इन तीन दिन के दौरान शहर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दिए जाने की संभावना है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सात से 10 सितंबर तक भारत की यात्रा करेंगे और इस दौरान यूक्रेन युद्ध समेत कई वैश्विक मुद्दों पर अन्य नेताओं के साथ चर्चा करेंगे।

सपा नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत, वॉयस सैंपल देने के आदेश पर रोक

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को ट्रॉयल कोर्ट के लिए वॉयस सैंपल देने के आदेश पर रोक लगा दी है। इससे आजम खान को बड़ी राहत मिली है। बता दें कि 2007 नफरत फैलाने वाला भाषण के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें वॉयस सैंपल की मांग की गई थी। दरअसल, आजम खान को 2007 में बीएसपी प्रमुख मायावती के खिलाफ कथित तौर पर नफरत फैलाने वाला भाषण देने और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में आवाज का नमूना देने का निर्देश दिया गया था। वॉयस सैंपल की मांग आजम खान के भाषण से मिलाने के लिए की गई थी। 2007 में रामपुर के टांडा इलाके में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान दिया गया था और एक सीडी में रिकॉर्ड किया गया था। न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ ने खान द्वारा दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार और मामले में शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा ?कि प्रतिवादी को नोटिस जारी करें। 29 अक्टूबर, 2022 के ट्रायल कोर्ट के आदेश के निर्देश पर अंतरिम रोक रहेगी, जिसे उच्च न्यायालय ने 25 जुलाई, 2023 को बरकरार रखा था। खान ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 25 जुलाई के आदेश को चुनौती दी है, जिसने उनकी याचिका को खारिज करते हुए, रामपुर में ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा था। 2007 में टांडा पुलिस स्टेशन में एससी/एसटी अधिनियम के तहत खान के खिलाफ धीरज कुमार शील नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज की थी, जिसमें उन पर नफरत फैलाने वाला भाषण देने और कथित तौर पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था।

पाक रेंजर्स ने किया 6 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार

फिरोजपुर । 29 जून से 3 अगस्त तक 6 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार करने का दावा पाक रेंजर्स द्वारा किया जा रहा है। पाक रेंजर्स के अनुसार इनमें से 4 नागरिक फिरोजपुर सीमावर्ती गांवों के रहने वाले हैं और एक जालंधर व एक लुधियाना का रहने वाला है। पाकिस्तानी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने यह खुलासा करते हुए इन 6 भारतीय नागरिकों की तस्वीरें भी जारी की हैं और उन पर हथियारों तथा नशा तस्करी के आरोप लगाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस संबंधी खुफिया एजेंट्स द्वारा इन युवकों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है और उनके परिवारों से भी पूछताछ की जा रही है। लेकिन इस संबंधी कोई भी अधिकारी या एजेंसी कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि यह गांव फिरोजपुर भारत-पाक बॉर्डर के बिल्कुल साथ लगता है। सरकारी तौर पर पक्ष देने के लिए कोई भी अधिकारी नहीं बोल रहा जबकि पाकिस्तानी मीडिया में इन भारतीय नागरिकों को हथियारों तथा नशे के बड़े तस्कर बताया जा रहा है। जिन 6 भारतीय नागरिकों की पाकिस्तान मीडिया द्वारा तस्वीरें दिखाई जा रही हैं उनकी पहचान गुरमेल सिंह, छिंदर सिंह और जोगिंदर सिंह वासी गांव किलचे (फिरोजपुर), विशाल जीत सिंह फिरोज़पुर, महेंद्र सिंह निवासी जालंधर तथा गुरविंदर सिंह निवासी लुधियाना के रूप में हुई है।

राज्य में शराबबंदी हटाने वालों को मांझी ने की वोट देने की अपील

पटना । बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने मतदाताओं से अपील की है कि वे केवल उन्हें वोट दें जो राज्य में शराब पर प्रतिबंध हटाएंगे। पूर्व सीएम ने गया जिले के मंगरावा महादलित टोला गांव में लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) प्रमुख ने कहा कि राज्य में पिछले सात वर्षों से शराब पर प्रतिबंध है और इस कानून के कारण केवल गरीब लोगों को दंडित किया जा रहा है। पूर्व सीएम मांझी ने कहा कि आज हर कोई जानता है कि अधिकांश आईएएस, आईपीएस अधिकारी, डॉक्टर, बिल्डर, ठेकेदार, मंत्री और राजनीतिक नेता रात 10 बजे के बाद शराब का सेवन करते हैं, लेकिन उन्हें दंडित नहीं किया जाता। दूसरी ओर, गरीब मजदूर जो दिनभर की मेहनत के बाद शराब पीते हैं, वे अपराधी बन जाते हैं, क्योंकि वे पुलिस और उत्पाद शुल्क विभाग के लिए आसान निशाना बन जाते हैं। मांझी ने कहा कहा कि पुलिस और उत्पाद शुल्क अधिकारियों ने मंगरावा महादलित टोले में गरीब लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पूर्व सीएम ने कहा कि मैं लोगों से अपील करना चाहता हूं कि वे केवल उसी को वोट दें जो ताड़ी (ताड़ का रस) और शराब पर प्रतिबंध हटाएगा। उन्होंने कहा कि शराबबंदी लागू होने के बाद से 5 लाख से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 3.5 लाख मजदूर या गरीब लोग हैं। गुजरात और झारखंड में भी शराब पर प्रतिबंध है, लेकिन वहां ऐसी स्थिति कभी पैदा नहीं होती।

ब्रिक्स सम्मेलन में पीएम मोदी ने चीन मंत्री के सामने खोल दी चीन की कलई

-भारत दुनिया का ग्रोथ इंजन बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। करीब दो दशक तक चीन दुनिया की फैक्ट्री बना रहा। दुनिया की कंपनियों ने चीन में सस्ती कीमत पर सामान बनवाया और दोनों हाथों से कमाई की। लेकिन ड्रैगन पर अधिक निर्भरता अब दुनिया के लिए परेशानी का कारण बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया से अपनी इस कमजोरी से बाहर निकलकर एक मजबूत और भरोसेमंद सप्लाई चेन बनाने का आह्वान किया है। पीएम मोदी ने जोहानसबर्ग में ब्रिक्स बिजनस फोरम में फैक्ट्री ऑफ द वर्ल्ड यानी चीन की कलई खोलकर रख दी। मजेदार बात है कि पीएम मोदी जब यह बात कह रहे थे तब चीन के कॉमर्स मंत्री वांग वेनताओ भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने कहा, कोविड महामारी ने हमें सिखा दिया है कि दुनिया के एक लचीली और समावेशी सप्लाई चेन की जरूरत है। इसके लिए भरोसा और पारदर्शिता सबसे अहम है। हम दुनिया की बेहतरी में योगदान देने के लिए एकदूसरे की ताकत का इस्तेमाल कर सकते हैं। खासकर ग्लोबल साउथ में इसकी अहम भूमिका हो सकती है। चीन ब्रिक्स समिट का इस्तेमाल पश्चिमी देशों के दबदबे वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के खिलाफ करना चाहता है। भारत और चीन के बीच पिछले कई साल से सीमा पर तनाव चल रहा है। इस कारण दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई है। इस समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी हिस्सा ले रहे हैं। वहीं पीएम मोदी और जिनपिंग के बीच वन टु वन मीटिंग की उम्मीद की जा रही है।

चीन पर निर्भरता कम करने भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान एक बेहतर सप्लाई चेन बनाने की कोशिश में लगे हैं। अभी दुनिया के बाजारों में चीन में बने सामान का दबदबा है। लेकिन कोरोना के बाद दुनिया जैसे नींद से जागी है। कोरोना काल में कई देशों को मास्क और टेस्ट किट्स सहित कई चीजों की सप्लाई बाधित हुई थी। इसकारण अब कई देशों ने चीन पर निर्भरता कम करने का फैसला किया है और अपने ही देश में प्रॉडक्शन बढ़ाना शुरू कर दिया है। भारत भी इसमें शामिल है। पीएम मोदी सरकार ने देश में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए के लिए प्रॉडक्शन लिंक्ड स्कीम जैसे कई उपाय किए हैं। भारत ने हाल में यूएई और फ्रांस के साथ यूपीआई के इस्तेमाल के लिए करार किए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच भी इसी तरह की साझेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा डिजिटल ट्रांजैक्शंस हो रहे हैं। पीएम ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा की मौजूदगी में कहा कि उभरते देशों का ब्लॉक अहम भूमिका निभा सकता है और भारत आने वाले दिनों में ग्लोबल इकॉनमी का ग्रोथ इंजन बनने जा रहा है। ग्लोबल इकॉनमी की चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही बड़ी इकॉनमी है। जल्दी ही यह पांच ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी होगी। इसमें कोई शक नहीं है कि आने वाले वर्षों में भारत दुनिया का ग्रोथ इंजन बनेगा।

रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पीएम मोदी जाएंगे जकार्ता, आसियान में होंगे शामिल

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी आसियान शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए जकार्ता की यात्रा पर जाने वाले हैं। बता दें कि यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के ढांचे के भीतर काफी महत्व रखती है। जानकार बता रहे हैं कि भारत की विदेश नीति रणनीति की आधारशिला के रूप में काम करने वाली आसियान साझेदारी के साथ, यह जुड़ाव क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने और संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार है। जकार्ता में आसियान-संबंधित शिखर बैठकों में प्रधानमंत्री मोदी की भागीदारी भारत-प्रशांत क्षेत्र में राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। 6 से 7 सितंबर तक होने वाली यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की एक साल के भीतर दूसरी इंडोनेशिया यात्रा है। पिछले साल पीएम मोदी ने आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया था। साल 2022 में आसियान देशों के सभी सदस्यों के विदेश मंत्रियों की विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक हुई थी। जिसमें आपसी सहयोग के 17 सूत्रीय एजेंडा तो अंतिम रूप दिया गया था। हालांकि भारत और आसियान के बीच फलते-फूलते व्यापार और निवेश संबंध उनके सहयोग की पारस्परिक रूप से लाभप्रद प्रकृति का उदाहरण देते हैं। पिछले साल एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई जब भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कंबोडिया में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और संबंधित शिखर बैठकों में देश का प्रतिनिधित्व किया। इन बैठकों ने एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया, जिसने इस समूह के साथ भारत के सहयोग को व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) के स्तर तक बढ़ा दिया। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो 5-7 सितंबर, 2023 तक जकार्ता कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 43वें आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान कई बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इन बैठकों का एजेंडा व्यापक है और इसमें 43वें आसियान शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र जैसे सत्र शामिल हैं।

उ. प्र. सरकार मंत्री नंद गोपाल नंदी ने जनपद प्रयागराज के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की

सूरत भूमि, प्रयागराज : संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय। मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, उ0प्र0 सरकार के मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने बुधवार को सर्किट हाउस के सभागार में जनपद प्रयागराज के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की मंत्री नंद गोपाल नंदी ने जनप्रतिनिधिगणों द्वारा उपलब्ध करायी गयी समस्यायों से सम्बंधित पत्रों पर हुई कार्रवाई के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि सभी अधिकारीगण यह सुनिश्चित करें कि जनसमस्याओं का शीघ्रता के साथ निस्तारण हो, नहीं तो सम्बंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए मंत्री ने शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि यदि आईजीआरएस पोर्टल पर आयी हुई शिकायत आपके विभाग से सम्बंधित न हो, तो उस शिकायत को सम्बंधित विभागों को समय से भेजना सुनिश्चित करें उन्होंने शीघ्रता से सुनवाई करते हुए राजस्व वादों का निस्तारण सुनिश्चित कराने के लिए कहा है साथ ही पांच वर्षों से अधिक समय से लम्बित राजस्व वादों पर नाराजगी जताते हुए सम्बंधित अधिकारियों को लम्बित वादों का जल्द से जल्द निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है खनन विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि अवैध खनन की शिकायत नहीं आनी चाहिए उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को इसकी निरंतर जांच करते रहने के निर्देश दिए है मंत्री ने नहरों में टेल तक पानी न पहुंचने की शिकायत प्राप्त होने पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों को नहरों में टेल तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष कार्य की प्रगति कम पाये जाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को कार्य में तेजी लाते हुए कार्य को समय से पूरा कराये जाने के निर्देश दिए है उन्होंने एयरपोर्ट की ओर जाने वाली सड़क के निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए कार्य को दिसम्बर-2023 तक पूरा कराने के निर्देश दिए है गौशालाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने गौशालाओं में बीमार पशुओं का समुचित उपचार कराने तथा उनकी नियमित देखभाल करते रहने तथा सम्बंधित अधिकारियों को इसका नियमित रूप से अनुश्रवण करते रहने के निर्देश दिए है आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों के शौचालयों में साफ-सफाई से सम्बंधित शिकायत नहीं आनी चाहिए कायाकल्प योजना के तहत स्कूलों में कराये जा रहे कार्यों को शीघ्रता के साथ पूरा कराये जाने के लिए कहा है उन्होंने राशन वितरण में घटतौली की शिकायत प्राप्त होने पर सम्बंधित अधिकारियों को लगातार कोटे की दुकानों की जांच करें, अगर घटतौली पायी जाती है, सम्बंधित कोटेदार की दुकान का लाइसेंस निरस्त करें मंत्री ने कहा कि मेरे संज्ञान में आया है कि जनसुविधा केन्द्रों पर निर्धारित शुल्क से ज्यादा पैसा चार्ज किया जा रहा है, जिसपर उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को ऐसे सुविधा केन्द्रों की जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा है स्वनिधि योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने बैंको में आयें प्रार्थना पत्रों के सापेक्ष काफी कम लोगो को योजना का लाभ मिल पा रहा है ।

अभियुक्त अपराधि को गिरफ्तार करने के लिए घर पर लगातार हंण्डिया पुलिस टीम की दबिश के बाद भी अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त से बाहर

सूरत भूमि, प्रयागराज : संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय। प्रयागराज जिले के थाना हंडिया पर मुकदमा संख्या 324/2022 धारा 376 भादवी 67 आईटी एक्ट बनाम इंद्रशेन गौतम पुत्र स्व लक्ष्मण प्रसाद निवासी ग्राम रमदत्तपु 'पोस्ट पाण्डेय थाना लालापुर जनपद वाराणसी की विवेचना निरीक्षक रणंजय सिंह द्वारा की जा रही है अब तक की विवेचना का प्राप्त सबूत से अभियुक्त इंद्रशेन के विरुद्ध जुर्म धारा 376 भादवी 67 आईटी एक्ट की अपराध करीत किया जाना पाया जा रहा है जिनकी गिरफ्तारी हेतु अभियुक्त के मकान पर मीलने के हर संभावित स्थानों पर कई बार दबिश दी गई परन्तु अभियुक्त घर से गायब है माननीय न्यायालय द्वारा अभियुक्त के वारंट 82 की नोटिस चस्पा की गई है अभियुक्त के घर पर 82 ष्ह्श्चष की कार्यवाई घर पर नोटिस चस्पा किया गया अभियुक्त घर पर नही मिला। दिनांक 19 मई 2023 को प्राप्त होने के उपरोक्त भी अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु उनके घर पर तथा आस पास के क्षेत्र मे मिलने की हर संभावित स्थानों पर दबिश देकर कई बार तलाशी की गई लेकिन हंण्डिया पुलिस को हर बार निराशा हाथ लग रही है एव घर से गायब है अभियुक्त के विषय मे गांव मे गोपनीय तरिके से जानकारी करने पर प्राप्त हुआ कि अभियुक्त इंद्रशेन समय असमय पर लुक छिपकर अपने सामान को इधर उधर हटा कर फरार होने की पुरी संभावना है।

मनरेगा के बजट में कटौती, खड़गे ने केंद्र की आलोचना की

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यूपीए सरकार की मनरेगा योजना की सराहना कर इसके बजट में कटौती के लिए मोदी सरकार की आलोचना कर कहा कि यह कोरोना के दौरान जीवनरक्षक बनी और करोड़ों श्रमिकों के लिए सुरक्षा जाल के रूप में काम किया। खड़गे ने कहा, 2005 में आज ही के दिन हमारी कांग्रेस-यूपीए सरकार ने करोड़ों लोगों को काम का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए मनरेगा लागू किया था। केंद्र की मोदी सरकार पर हमला कर खड़गे ने कहा, भले ही मोदी सरकार ने इस साल मनरेगा के बजट में 33 फीसदी की कटौती की है और उस पर 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का 6,366 करोड़ रुपये का मनरेगा मजदूरी बकाया है, फिर भी कांग्रेस के समय शुरू हुआ यह प्रमुख कार्यक्रम अब भी 14.42 करोड़ सक्रिय श्रमिकों का समर्थन करता है, जिसमें से आधे से अधिक महिलाएं हैं।

जिलाधिकारी प्रयागराज की अध्यक्षता में महाकुम्भ मेला 2024-25 के दृष्टिगत परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सूरत भूमि, संवाददाता हंडिया, प्रयागराज। प्रयागराज जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में संगम सभागार में बुधवार को महाकुम्भ मेला 2024-25 के दृष्टिगत परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से महाकुम्भ मेला 2024-25 के दृष्टिगत उनके विभाग से सम्बंधित कराये जा रहे प्रत्येक कार्य के प्रगति के बारे में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के आयोजन के दृष्टिगत कराये जा रहे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयबद्धता के साथ पूर्ण कराया जाय साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा है कि कार्यों में यदि किसी भी प्रकार की समस्या आ रही हो, तो उसके बारे में उल्लिखित करते हुए अवगत करायें, जिससे कि तत्काल उस समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जा सके एवं कार्य समय से पूर्ण हो सके इस अवसर पर एडीएम नजूल प्रदीप कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज, उपजिलाधिकारीगण सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

झारखंड राज्य में भी हुई उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रशंसा -मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने किया सम्मानित

सूरत भूमि, प्रयागराज : संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय। झारखंड राज्य में उत्तर प्रदेश पुलिस का नेतृत्व कर रहे 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के जवानों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित परेड में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस का मान बढ़ाया ज्ञात हो कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रांची, झारखंड में आयोजित हुए भव्य परेड समारोह में संपूर्ण देश से आए विभिन्न सैन्य बलों के मध्य आयोजित परेड में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश पुलिस का नेतृत्व कर रहे 34वीं वाहिनी पीएसी के प्लाटून ने प्रथम स्थान प्राप्त कर मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन से सम्मान एवं स्मृति चिन्ह प्राप्त किया। रांची में आयोजित इस समारोह में विभिन्न राज्यों के पुलिस बलों के साथ-साथ अर्ध सैनिक बलों की टुकड़ियों ने भी हिस्सा लिया था, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस का नेतृत्व कर रहे 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी का प्लाटून अपने सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन से अव्वल रहा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रदेश का नाम रोशन करने वाली टीम की वापसी पर सेनानायक डॉ राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस ने वाहिनी में एक भव्य समारोह आयोजित कर टीम का नेतृत्व कर रहे सहायक सेनानायक शिवनारायण, प्लाटून कमांडर महेंद्र सिंह यादव के साथ-साथ टीम के सभी सदस्यों की हौसला अफजाई करते हुए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार सिंह आईपीएस एवं सेनानायक डॉ राजीव नारायण आईपीएस ने संयुक्त रूप से टीम के सभी सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए कोटिश: आभार प्रकट किया गया वाहिनी में आयोजित कार्यक्रम में सहायक सेनानायक अरुण सिंह, शिविरपाल अजय प्रताप सिंह, सूबेदार मेजर गोपाल जी दुबे, परेड में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों के साथ-साथ वाहिनी में उपस्थित अन्य समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

'चाहे लोग किसी भी पार्टी को वोट दें, आएगा तो मोदी ही', बीजेपी सांसद के बयान पर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के भाजपा सांसद डी अरविंद की यह टिप्पणी कि केवल भाजपा ही चुनाव जीतेगी, चाहे लोग किसी भी पार्टी को वोट दें, ने एक बड़ा विवाद पैदा कर दिया है और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भारत के चुनाव आयोग से इस पर गंभीरता से विचार करने की मांग की है। अपने निर्वाचन क्षेत्र निज़ामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन में की गई सांसद की 'आएगा तो मोदी ही' टिप्पणी पर बीआरएस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा, ÷अगर आप अपना वोट नोटा को देंगे तो मैं जीत जाऊंगा। यदि आप 'कार' (बीआरएस) को वोट देंगे तो मैं जीत जाऊंगा। अगर आप 'हाथ' (कांग्रेस) को वोट देंगे तो भी 'कमल' (भाजपा) जीतेगा।'

'आएगा तो मोदी ही' टिप्पणी करने के बाद अरविंद ने कहा कि वह अहंकार के कारण नहीं बोल रहे हैं, बल्कि लोगों की सेवा करके उनके पास आए हैं। अरविंद की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, बीआरएस ने भारत के चुनाव आयोग से इस पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया। बीआरएस नेता के. कविता ने बुधवार को भारत के चुनाव आयोग से अरविंद के बयान को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। उन्होंने हैदराबाद में मीडियाकर्मियों से कहा कि बीआरएस नेता भारत के चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपकर निज़ामाबाद से लोकसभा सदस्य द्वारा की गई टिप्पणियों पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह करेंगे।

मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता ने कहा कि अशोक विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर के शोध पत्र ने पहले ही देश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से छेड़छाड़ पर बहस छेड़ दी है। 2019 में अरविंद से चुनाव हारने वाले बीआरएस नेता ने भी कुछ समुदायों को धमकी देने वाली उनकी टिप्पणियों की निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत चुनाव आयोग को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल का जवाब देते हुए बीजेपी सांसद ने

कहा था कि बुलडोजर का इस्तेमाल तभी किया जाएगा जब पथराव किया जाएगा।

मॉस्को पर ड्रोन हमलों के बदले में रूस ने रातभर यूक्रेन पर गिराए बम

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले होने के बदले में रूस ने भी यूक्रेन पर रातभर बमबारी की। हालांकि लगातार ड्रोन हमलों ने रूस की एजेंसियों को चौकन्ना कर दिया है। इस बीच रूस के राज्य विमानन प्राधिकरण ने बुधवार (23 अगस्त) को कहा कि उड़ानों पर अस्थायी निलंबन लगाए जाने के बाद अब मॉस्को के हवाई अड्डे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। एक बयान में कहा गया है कि राजधानी मॉस्को पर हुए ड्रोन हमले की कोशिश के कारण बुधवार तड़के उड़ानों के अस्थायी निलंबन लगाए जाने के बाद मॉस्को के हवाई अड्डे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। बता दें कि ड्रोन से किए गए हमले में कम से कम दो लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय गवर्नर ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि रूसी हवाई सुरक्षा द्वारा नष्ट किए गए एक यूक्रेनी ड्रोन के हिस्से मॉस्को क्षेत्र में एक घर पर गिरा। मिली जानकारी के मुताबिक रूसी रक्षा मंत्रालय ने बुधवार तड़के कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने मॉस्को पर हमला करने की कोशिश करने वाले तीन ड्रोनों को मार गिराया है। रूस ने यूक्रेन के डेन्यूब क्षेत्र में अनाज की सप्लाई करने वाली जगहों पर हमले किए। इसके साथ ही रूस ने रात भर यूक्रेन के दक्षिणी ओडेसा और डेन्यूब नदी क्षेत्रों के दक्षिण में ड्रोन से हमला किया, जो अनाज निर्यात के लिए एक प्रमुख क्षेत्र है। यूक्रेनी सेना और अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि इस हमले में अनाज वाली जगहों स्थानीय क्षेत्र में आग लग गई। यूक्रेन की सेना ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि दुश्मन ने डेन्यूब क्षेत्र में अनाज भंडारण सुविधाओं और एक उत्पादन और ट्रांसशिपमेंट कॉम्प्लेक्स पर हमला किया। अनाज के गोदामों में आग लग गई और उस पर तुरंत काबू पा लिया गया। फायर सर्विस के कर्मचारी अपना काम तेज गति से कर रहे हैं।

मैक्सिको सिटी में बस और ट्रक की टक्कर से 16 की मौत

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के पुबेला शहर में बस और ट्रक की टक्कर में करीब 16 लोगों की मौत हो गई और 36 अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, ओक्साका अटॉर्नी जनरल के कार्यालय (एफजीईओ) ने कहा कि मृतकों में आठ पुरुष, सात महिलाएं और एक लड़की शामिल है। घटना मंगलवार तड़के हुई जब बस एक ट्रक से टकरा गई। घायलों को तेहुआकान जनरल अस्पताल और अन्य चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया। प्यूब्ला के आंतरिक विभाग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि वह इस खेदजनक घटना के पीड़ितों का समर्थन करने के लिए अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है।

क्षतिग्रस्त फेरारी कार बिक गई 15 करोड़ रुपये में

-1960 के दशक में एक रेस के दौरान लग गई थी आग

लंदन। बेहद बुरी तरह क्षतिग्रस्त एक फेरारी कार लगभग 15 करोड़ रुपये में बेची गई है। कबाड़ में कब्दील हो चुकी इस फेरारी में 1960 के दशक में एक रेस के दौरान आग लग गई थी। इस फेरारी कार को देखकर ऐसा लगता है कि इसे सीधे कबाड़खाने से निकाला गया। यह 1954 की फेरारी 500 मोंडियल स्पाइडर सीरीज द्व है। यह कार आरएम सोथबी की मोंटेरी नीलामी में 1,875,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 15 करोड़ रुपये) प्राप्त करने में सफल रही। यह चेसिस नंबर, 0406 एमडी के नाम से भी जाना जाता है। इसे मूल रूप से प्रसिद्ध इटली की डिजाइन फर्म पिनिनफेरीना द्वारा बॉडी के साथ बनाया गया था। यह बिन पहिए वाली फेरारी है। हालांकि इसमें अभी भी इसकी मूल चेसिस प्लेट, गियरबॉक्स, रियर एक्सल कॉर्नर और इसका 3.0-लीटर टिपो 119 लैंप्रेडी इनलाइन-चार इंजन मौजूद है। अब बात करते हैं इसके खरीदार के इरादे की। तो बर्बाद हो चुकी फेरारी के खरीदार का इरादा इसे इसके पूर्व गौरव को वापस दिलाना है ताकि यह एक बार फिर से रेस में भाग ले सके। साल 2008 में अब तक की सबसे महंगी फेरारी बेची जा चुकी है। यह 1962 फेरारी 250 जीटीओ थी, जिसकी कीमत 48.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर लगाई गई थी। यह कार भी आरएम सोथबी ने ही निलाम की थी। यह वाहन कभी फेरारी फैक्ट्री के पूर्व ड्राइवर फ्रेंको कॉर्टेज की संपत्ति थी, जिन्होंने 1954 में रेसट्रैक पर दौड़ाने के उद्देश्य से कार खरीदी थी। 1960 के दशक में एक रेस के दौरान कार में आग लग गई। इसके ऑनरशिप का अंतिम दर्ज हस्तांतरण साल 1978 में हुआ था। फिर इसे 45 सालों तक क्षतिग्रस्त स्थिति में संरक्षित रखा गया था।

ताइवान को आंख दिख रहे चीन को झटका, न्यूक्लियर सबमरीन दुर्घटनागस्त

बीजिंग। चीन के लिए यह चिंताजनक समय है। चीन की अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी नहीं चल रही है, वे तेजी से पश्चिम से अलग-थलग होते जा रहे हैं और अब, ताइवान स्टेट से चीन के लिए बुरी खबर आई है। बताया जा रहा हैं चीन की न्यूक्लियर सबमरीन दुर्घटनागस्त हो गई। इस एक्सीडेंट में सबमरीन पूरी तरह तबाह हो गई है। हालांकि चीन की तरफ से दुर्घटना की कोई पुष्टि नहीं की गई है। 22 अगस्त की सुबह सोशल मीडिया उन खबरों से भरा पड़ा था कि टाइप 093 (शांग क्लास) चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बी विवादित ताइवान स्ट्रेट के आसपास बड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई और सात प्रशिक्षुओं सहित जहाज पर सभी सवार अधिकारी की मृत्यु हो गई। दुर्घटना या जहाज पर सवार चीनी अधिकारियों की मौत की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बारे में पूछने पर ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने भी कहा कि इसकी पुष्टि करने के लिए कोई सबूत नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सन ली-फैंग ने कहा कि देश के संयुक्त खुफिया और निगरानी तंत्र को पनडुब्बी दुर्घटना का कोई सबूत नहीं मिला है। ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास एक चीनी पनडुब्बी की संभावना काफी है क्योंकि चीन ने इस क्षेत्र में गतिविधि बढ़ा दी है। दो दिन पहले ताइवान ने कहा था कि पिछले 24 घंटों में 25 चीनी वायु सेना के विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया, क्योंकि बीजिंग द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास कर रहा था।

फिर से दुनिया के सामने नए वैरिएट में सामने आ रहा कोरोना

-दुनिया के कई देशों में बढ़ रहे मामले

वाशिंगटन। दुनियाभर में तबाही मचाने वाले कोरोना वायरस के मामले अभी भी सामने आ रहे हैं। बीते दिनों कोरोना वायरस के एक ही नहीं, बल्कि तीन नए स्ट्रेन सामने आ चुके हैं। नए वेरिएंट के साथ क्या संयुक्त राज्य अमेरिका में कोविड-19 एक नई लहर के रूप में वापस आ रहा है? हाल ही में सामने आए कोरोना के तीन नए स्ट्रेन ईजी.5, एफएल.1.5.1 और बीए.2.86 के मामले तेजी से बढ़े हैं। कोरोना का ईजी.5 वेरिएंट, जिसे एरिस के नाम से भी जाना जा रहा है, वर्तमान में अमेरिका में इसके मामले सबसे ज्यादा सामने आ रहे हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) ने अनुमान लगाया कि 20.6 प्रतिशत नए

संक्रमण के मामलों के लिए ईजी.5 जिम्मेदार था। वहीं एफएल.1.5.1 वेरिएंट अमेरिका में सबसे प्रमुख स्ट्रेन के रूप में दूसरे स्थान पर है। सीडीसी के अनुसार, यह देश में 13.3 प्रतिशत नए संक्रमणों के लिए जिम्मेदार है। बात करें बीए.2.86 वेरिएंट की, तब वर्तमान में वह छोटे पैमाने पर नए संक्रमण का कारण बन रहा है। हालांकि, बड़ी संख्या में म्यूटेशन के कारण यह अत्यधिक जोखिम भरा वेरिएंट बन सकता है। जानकार डॉक्टर ने बताया कि साल 2019 के बाद से कोविड -19 में कई म्यूटेशन हुए हैं। एरिस और बीए.2.86, दोनों एक्सबीबी के सबवेरिएंट हैं। ये दोनों वैरिएंट वर्तमान में डब्ल्यूएचओ की निगरानी में हैं। यह आमतौर पर बूंदों के जरिए फैलता है। दोनों ही वेरिएंट्स अलग-अलग तरह के व्यवहार करते है, क्योंकि उनमें अलग-अलग जेनेटिक सीक्वेंस परिवर्तन होते हैं। दुनिया भर में एरिस के मामलों में संक्रमण की दर ज्यादा है। बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, थकान, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, स्वाद और गंध की हानि और गले में खराश इसके लक्षण हैं, जो एरिस संक्रमण में दिखने को मिल रहे हैं। वहीं, बीए.2.86 में रेशज, कंजंक्टिवाइटिस और दस्त सहित कुछ नए अतिरिक्त लक्षण शामिल हैं। डॉक्टर कहते हैं कि कोरोना के वेरिएंट से बचने के लिए सबसे कारगर तरीका वैक्सीनेशन है। कोरोना के नए वेरिएंट्स के खिलाफ बचाव के लिए कोविड वैक्सीन को अपग्रेड किया जा रहा है।

ग्रीस के एथेंस के पास, हसिया गांव में जलते हुए एक जंगल की आग से निपटने की कोशिश करते अग्निशामक और स्वयंसेवक।

पीएम मोदी ने फर्श पर पड़े तिरंगे को उठाकर अपनी जेब में रखा

जोहान्सबर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ग्रुप फोटो के दौरान फर्श पर पड़े भारतीय झंडे को देखा। इसके तुरंत बाद पीएम मोदी ने तिरंगा उठाकर अपनी जेब में रख लिया। जैसे ही पीएम मोदी ने राष्ट्रीय ध्वज उठाया, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, जो पहले ही अपने देश के झंडे पर कदम रख चुके थे, इसके बाद उन्होंने भी अपना झंडा उठा लिया। ब्रिक्स के सदस्य देशों के झंडे वैश्विक नेताओं की स्थिति को दर्शाने के लिए रखे गए थे। इसके पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने सिरिल रामफोसा के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसके दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने के लिए संयुक्त रूप से काम करने के तरीकों पर भी चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और रक्षा, कृषि, व्यापार और निवेश, स्वास्थ्य, संरक्षण और लोगों से लोगों के संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

दक्षिण अफ्रीका में 'ब्रिक्स लीडर्स रिट्रीट' में शामिल हुए पीएम मोदी, किया विचार-विमर्श

--डिजिटल भुगतान, बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्टार्टअप की दुनिया पर खुलकर हुई बातचीत

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में आयोजित ब्रिक्स देशों की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पांच देशों के समूह के अन्य नेताओं के साथ वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया। वहीं डिजिटल भुगतान, बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्टार्टअप की दुनिया पर खुलकर बातचीत हुई। गौरतलब है कि मोदी दक्षिण अफ्रीका और यूनान की चार दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को जोहानिसबर्ग पहुंचे। पीएम मोदी जोहानिसबर्ग में वह दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति माटामेला सिरिल रामफोसा के निमंत्रण पर 22 से 24 अगस्त तक आयोजित होने वाले ब्रिक्स नेताओं के 15वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। यह साल 2019 के बाद ब्रिक्स नेताओं का पहला आमने-सामने का शिखर सम्मेलन होगा। ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इस संबन्ध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'ब्रिक्स लीडर्स रिट्रीट' में हिस्सा लेने के लिए समर पैलेस पहुंचे। मेजबान, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। बागची ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ अन्य ब्रिक्स नेता अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर चर्चा करेंगे और वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशने के लिए ब्रिक्स मंच का लाभ उठाएंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग' को भी संबोधित किया।

बैठक में शिरकत करने से पहले उन्होंने शहर में निर्माणाधीन स्वामीनारायण मंदिर का एक मॉडल देखा। मोदी ने कहा कि ब्रिक्स बिजनेस फोरम ने मुझे भारत के विकास पथ और व्यापार सुगमता एवं सार्वजनिक सेवा की उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालने का अवसर दिया। इससे डिजिटल भुगतान, बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्टार्टअप की दुनिया और अन्य क्षेत्रों में भारत की ओर से की गई प्रगति पर प्रकाश डालने का भी मौका मिला। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भारत 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' में विश्वास करता है। पिछले कुछ वर्षों में हमने आईटी, सेमीकंडक्टर और ऐसे अन्य क्षेत्रों में काफी प्रगति की है। हमारा आर्थिक दृष्टिकोण महिलाओं के सशक्तिकरण को भी बहुत महत्व देता है। इस बीच, जोहानिसबर्ग से आई मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स बिजनेस फोरम में शिरकत नहीं की, जहां उनके समूह के अन्य नेताओं के साथ भाषण देने की संभावना थी।

कार्यक्रम में चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंताओ ने चिनफिंग का भाषण पढ़ा, जिसमें उन्होंने 'आधिपत्य' की प्रवृत्ति को लेकर अमेरिका की आलोचना की। भाषण में चिनफिंग ने कहा कि अमेरिका उन देशों से लड़ने की प्रवृत्ति रखता है, जो वैश्विक मामलों और वित्तीय बाजारों में उसके प्रभुत्व को खतरे में डालते हैं। उन्होंने कहा कि हर देश को विकास का अधिकार है और लोगों के पास खुशहाल जीवन जीने की आजादी होनी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने अमेरिका पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि लेकिन एक देश वर्चस्व बनाए रखने के लिए उत्सुक है और वह उभरते बाजारों और विकासशील देशों को पंगु बनाने की कोशिश कर रहा है।

रूसी लूना-25 के क्रैश होने में चीन का हो सकता है हाथ, मिशन फेल होते ही झलकी खुशी ?

मास्को (एजेंसी)। रूस के अंतरिक्ष मिशन फेल होने में चीन का हाथ बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि लूना-25 के फेल होते ही चीन की खुशी साफ झलक रही थी। यहां तक कि उसने लांचिंग में शामिल होने से भी पल्ला झाड़ लिया। जानकार बता रहे हैं कि रूस के लूना-25 अंतरिक्ष यान के क्रैश होने से सबसे अधिक खुश चीन है। रूस ने लूना-25 के प्रक्षेपण और चंद्रमा पर लैंडिंग में चीन की मदद ली थी। यूक्रेन पर आक्रमण के कारण नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी पहले से ही रूस के रोस्कोस्मोस से संबंध तोड़ चुके हैं। ऐसे में रूस के पास चीन की मदद लेने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। बताया जा रहा है कि लूना-25 के चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त होना सिर्फ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए ही झटका नहीं है, बल्कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए भी शर्मिंदगी की बात है, जो चंद्रमा पर बेस बनाने के लिए रूस के साझेदार हैं। चीन और रूस के इस महत्वकांक्षी मिशन का उद्देश्य अमेरिका और उसके सहयोगियों को अंतरिक्ष में चुनौती देना है। रूसी अंतरिक्ष यान लूना-25 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था। लूना-25 की लैंडिंग साइट उसी इलाके में है, जहां चीन और रूस की अंतरिक्ष एजेंसियों ने 2021 में एक ज्वाइंट बेस के निर्माण की घोषणा की थी। चीनी मीडिया ने एक रिपोर्ट दी थी कि चीन के डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन प्रोजेक्ट के चीफ और मुख्य डिजाइनर वू यानहुआ ने लूना-25 की लॉन्च में भाग लेने और दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष कार्यक्रमों के बीच सहयोग को गहरा करने पर चर्चा करने के लिए रूस के सुदूर पूर्व में वोस्तोचन कोस्मोड्रोम में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

जब रूस का लूना-25 मिशन विफल हो गया तो चीन ने चुपचाप इससे किनारा कर लिया। चीनी मीडिया में लूना-25 की रिपोर्टें बहुत कम हो गई हैं। एक समाचार एजेंसी ने जरुर रविवार को केवल पांच वाक्य का एक छोटा संदेश जारी किया था। एक अखबार के पूर्व संवादक ने जरुर लिखा कि इस विफलता से रूस की महत्वाकांक्षाओं को झटका लगने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा पश्चिम को रूस को सिर्फ इसलिए कम नहीं आंकना चाहिए क्योंकि उसका चंद्र कार्यक्रम विफल हो गया है। लूना-25 सोवियत संघ के अंत के बाद चंद्रमा पर उतरने का प्रयास करने वाला पहला रूसी अंतरिक्ष यान था।

पाकिस्तान के पास पेट्रोल के पैसे नहीं होने से पीआईए ने खड़े कर लिए प्लेन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पास पेट्रोल के पैसे नहीं होने से उसने अपने 11 प्लेन खड़े कर दिए हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने तीन बोइंग 777 समेत 11 एयरक्राफ्ट को खड़ा कर दिया है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक अनियंत्रित डॉलर की कीमतें और महंगे होते पेट्रोलियम उत्पादों की वजह से राष्?ट्रीय एयरलाइंस गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही है। यह पहला मौका नहीं है जब इस तरह की खबरें आ रही हैं। इस साल मई में भी पीआईए के सीईओ आमीर हयात ने कहा था कि एयरलाइंस को 112 अरब रुपयों का नुकसान इस साल होने वाला है। उन्?होंने बताया था कि पीआईए इस समय 742 अरब रुपए के कर्ज में डूबी हुई है। सूत्रों के अनुसार एयरलाइन करीब 30 विमानों का संचालन करती है। पिछले तीन सालों से इसे कैश की कमी के कारण स्पेयर पार्ट्स खरीदने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह से 11 विमानों को खड़ा करने का फैसला किया गया है। इससे पहले बोइंग 777 विमानों में से दो को साल 2020 में और एक को साल 2021 में जमीन पर बैठा दिया गया था।

वहीं पांच ए320 विमान भी ऑपरेट नहीं हो रहे हैं। इनमें से दो साल 2021 में और तीन 2023 में ग्राउंडेड किए गए थे। पीआईए के एक प्रवक्ता ने 11 एयरक्राफ्ट को ग्राउंडेड करने की खबर की पुष्टि की है। उन्होंने कई चुनौतियों में से एक विदेशी मुद्रा पर निर्भरता का जिक्र भी किया है। एयरलाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पीआईए के बेड़े में 31 विमान शामिल हैं। 11 ग्राउंडेड विमानों में से तीन - बोइंग 777, एयरबस और एटीआर - इंजन और स्पेयरपार्ट्स की कमी की वजह से इनकी मरम्मत मुश्किल है। अधिकारी ने बताया कि पीआईए इस समय बचे हुए 20 एयरक्राफ्ट से काम चला रही है। साथ ही मौजूद एयरक्राफ्ट के अनुसार फ्लाइट ऑपरेट हो रही हैं।

राफेल के मुरीद हुए प्रिंस सलमान, सऊदी अरब के लिए खरीदेंगे लड़ाकू विमान

रियाद (एजेंसी)। प्रिंस सलमान सऊदी अरब के लिए राफेल विमान खरीदने वाले हैं। मीडिया में आई एक रिपोर्ट पर विश्वास करें तो लगभग 200 विमान खरीदने की योजना बन रही है। बता दें कि सऊदी अरब ने उन्नत अमेरिकी और ब्रिटिश लड़ाकू विमानों से बनी एक विशाल वायु सेना के निर्माण में दशकों का समय बिताया है। लेकिन, बड़ी संख्या में फ्रांसीसी लड़ाकू विमान राफेल खरीदने में रियाद की रुचि एक संकेत हो सकती है कि उसे नहीं लगता कि उसके पुराने दोस्त पहले जितने विश्वसनीय हैं। फ्रांस के मीडिया ने अज्ञात स्रोत का हवाला देते हुए बताया कि सऊदी अरब 100 से 200 डसॉल्ट राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने पर विचार कर रहा है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जिसमें बताया गया था कि रियाद अपने पारंपरिक विमान आपूर्तिकर्ता देशों से भविष्य में लड़ाकू विमानों की खरीद नहीं करेगा।

बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में प्रिंस सलमान के तेल उत्पादन में कटौती को लेकर गुस्से के कारण अमेरिकी सांसदों ने सभी अमेरिकी हथियारों की सऊदी अरब को बिक्री पर रोक लगाने वाले कानून का प्रस्ताव रखा। गनीमत रही कि यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। अगर ऐसा हो जाता तो सऊदी अरब की पूरी वायु सेना जमीन पर आ जाती, क्योंकि उसके लड़ाकू विमानों के लिए आवश्यक पुर्जे और दूसरे साजो-सामान नहीं मिल पाते। जुलाई में जर्मनी ने घोषणा की कि वह सऊदी अरब को और अधिक यूरोफाइटर टाइफून बेचने की अनुमति नहीं देगा। सऊदी वायु सेना 72 यूरोफाइटर टाइफून विमानों का संचालन करती है। सऊदी अरब के पड़ोसी संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने पहले ही पश्चिमी लड़ाकू विमानों की बदौलत बड़ी और ताकतवर वायु सेना का निर्माण कर चुके हैं। इनमें दोनों के पास दर्जनों राफेल लड़ाकू विमान भी हैं।

युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं पुतिन? ब्रिक्स सम्मेलन में पश्चिमी देशों को निशाने पर लिया

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में पश्चिम और उसके उपग्रहों द्वारा छेड़े गए युद्ध को समाप्त करने की इच्छा जताई है। समूह के नेताओं से वीडियो लिंक के जरिए बात करते हुए पुतिन ने कहा, ÷दुनिया में अपना आधिपत्य बनाए रखने की कई पश्चिमी देशों की इच्छा के कारण यूक्रेन में गंभीर संकट पैदा हो गया। यूक्रेन में रूसी संघ की कार्रवाई केवल इसी से तय होती है। पुतिन ने क्रेमलिन की कहानी दोहराई कि युद्ध कीव और पश्चिम की कार्रवाइयों की जबरन प्रतिक्रिया थी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए पुतिन ने डी-डॉलरीकरण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने ब्रिक्स देशों से बस्तियों में राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग बढ़ाने और बैंकों के बीच सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। इसके अतिरिक्त, पुतिन ने घोषणा की कि आगामी वर्ष के लिए ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में रूस अक्टूबर 2024 में कज़ान में एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की योजना बना रहा है।

चीनी अर्थव्यवस्था डूब रही, ब्रिक्स बिजनेस फोरम में शामिल नहीं हुए जिगपिंग

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द.अफ्रीका में ब्रिक्स बिजनेस फोरम में उपस्थित नहीं हुए। उनके अलावा बाकी चार सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुखों के फोरम में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिक्स बिजनेस फोरम में जिनपिंग की जगह चीनी वाणिज्य मंत्री वांग वेन्ताओ शामिल हुए। उन्होंने जिनपिंग के भाषण को पढ़ा, जिसमें अधिपत्य वाली आदतों को लेकर अमेरिका की आलोचना की गई थी। जिनपिंग के ब्रिक्स बिजनेस फोरम में शामिल न होने से कई सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा हैं कि जिनपिंग वह डूब रही चीनी अर्थव्यवस्था पर सवालों के जवाब से बचना चाहते थे। इतना ही नहीं, वह नहीं चाहते थे कि चीनी अर्थव्यवस्था को लेकर कोई उनसे सवाल पूछे।

चीनी अर्थव्यस्था चार दशक में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। कोरोना महामारी और प्रापर्टी क्राइसिस ने चीन के आर्थिक हालात को और ज्यादा बिगाड़ दिया है। इसका असर अब चीन के वित्तीय क्षेत्र पर देखने को मिल रहा है। लोग कर्ज की किश्त चुकाने से चूक रहे हैं। दूसरी ओर रियल एस्टेट सेक्टर एकदम से गिर गया है। चीनी अर्थव्यवस्था ने अतीत में महत्वपूर्ण चुनौतियों पर काबू पाया है, लेकिन वर्तमान में चीन को जिन आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ रहा है उनमें एक के साथ दूसरी जुड़ी हुई हैं। बताया जा रहा है कि वर्षों से प्रॉपर्टी के क्षेत्र पर चीन की अत्याधिक निर्भरता और उसकी सख्त कोविड नीति ने आर्थिक वृद्धि में सबसे ज्यादा बाधा डाली है।

चीनी मंत्री वांग के पढ़े भाषण में जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका उन देशों से लड़ने की प्रवृति रखता है, तब वैश्विक और वित्तीय बाजारों में उसके प्रभुत्व को खतरे में डालते हैं। भाषण में कहा गया है कि हर देश को विकास का अधिकार है और लोगों को खुशहाल जीवन जीने की आजादी होनी चाहिए। लेकिन एक देश (अमेरिका) अधिपत्य बनाए रखने के जुनून पर सवार है, जो उभरते बाजारों और विकासशील देशों को पंगु बनाने के अपने रास्ते पर चल रहा है। शी ने कहा कि जो कोई भी पहले विकसित होता है वह रोकथाम का लक्ष्य बन जाता है।

संपादकीय

अनर्गल प्रलाप

मध्य प्रदेश के सागर में अपनी चुनावी संभावनाओं को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बड़े वादे व दावे कर रहे थे, लगभग उसी समय उन्हीं की पार्टी के एक बुजुर्ग नेता और पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी का एक भाषण सुर्खियों में आया है, जो सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने वाला तो है ही, कांग्रेस पार्टी की उम्मीदों को पलीता लगाने वाला भी साबित हो सकता है। विदिशा के एक जलसे में शिरकत करते हुए कुरैशी ने कहा कि 'हिन्दुस्तान में 22 करोड़ मुसलमान हैं और एक-दो करोड़ मर भी जाएं तो कोई बात नहीं...।' यह विडंबना ही है कि ऐसे वक्त पर, जब देश और समाज में सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों लोग सड़कों पर शांति-मार्च निकाल रहे हैं, तब कुरैशी जैसे उम्रदराज नेता अपना आपा खोने का मुजाहरा कर रहे हैं। बीते शुक्रवार को ही मुंब्रा कौसा के शांति-मार्च में हजारों मुस्लिमों ने शिरकत की थी। उससे पहले नूंह, मेवात में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद दोनों समुदायों के लोग हाथ में हाथ डालकर जिस तरह खड़े हुए, उससे देश के अमनपसंद लोगों का यह यकीन फिर बहाल हुआ कि चंद सिरफिरे लोग अपनी हरकतों से इस देश के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट नहीं पहुंचा सकते। ऐसे में, कुरैशी के बयान की निंदा ही की जाएगी। यह पहली बार नहीं है, जब अजीज कुरैशी ने कोई आपत्तिजनक बयान दिया है। गवर्नर पद पर रहते हुए भी वह भाषायी मर्यादाओं का उल्लंघन कर चुके हैं। लेकिन इस वक्त उनके बयान से उनकी ही पार्टी को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मध्य प्रदेश में चुनावी प्रक्रिया भले न शुरू हुई हो, मगर दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टियां- भाजपा और कांग्रेस -जोर-शोर से प्रचार में जुट गई हैं। ऐसे में, अपने बड़बोलेपन से कुरैशी ने विरोधी दल के हाथों में धार्मिक ध्रुवीकरण का एक मुद्दा तो थमा ही दिया है। वैसे भी, ऐसी बातें सिर्फ सियासत पर असर नहीं डालतीं, वे सामाजिक समरसता में विष घोलने का काम करती हैं। ऐसा नहीं कि कुरैशी इस हकीकत से आगाह नहीं होंगे, मगर सस्ती लोकप्रियता की चाह और तालियों की भूख सियासी लोगों को हमेशा फांसती रही है। देश आज चांद पर अपने यान उतारने के जश्न की तैयारी में जुटा है, तब किसी संकीर्ण मजहबी नजरिये को नजरंदाज करना मुनासिब होता, मगर जिस तरह से कुरैशी ने देश में अल्पसंख्यकों की उपेक्षा का हवाला देते हुए विषवमन किया, उसको दरगुजर नहीं किया जा सकता। कुरैशी जैसे संकीर्णतावादी लोगों को यह याद दिलाने की जरूरत है कि भारत की तरक्की में सभी समुदायों के होनहार-समर्पित लोगों का योगदान है और खैरख्वाह बनने की सियासत में वे अपनी घातक बातों से अपने-अपने समुदायों का ही नुकसान करते हैं। भारत को अपनी गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से लड़ने के लिए सामाजिक भाईचारे की आज पहले से कहीं ज्यादा आवश्यकता है। ऐसे में, यह वाकई अफसोसनाक है कि उम्र के जिस पड़ाव पर कुरैशी आज खड़े हैं, उन्हें अपने अनुभवों से अपनी जमात के लिए नई खिड़कियां खोलनी चाहिए थी, मगर वह उकसाने वाली बोली बोल रहे हैं। हालांकि, यह एक मजहब या बिरादरी की बात नहीं है, सभी धर्मों और बिरादरियों में ऐसे ख्याल के लोग मौजूद हैं। जरूरत उन्हें आईना दिखाते रहने की है कि तरक्की का रास्ता खून-खराबे से नहीं, भाईचारे और साझेदारी से हमवार होता है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

राजस्थान में जिताऊ प्रत्याशियों पर दांव लगायेगी कांग्रेस

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

जबकि भाजपा में आज भी अलग-अलग नेताओं के अलग-अलग गुट बने हुए हैं। ऐसे में प्रदेशवासी कांग्रेस की ही सरकार बनाने की चर्चा करने लगे हैं। गहलोत का कहना है कि बीजेपी तो हार मान चुकी है। जबकि हम चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। बीजेपी में दिल्ली से आकर नेता चुनाव लड़ेंगे तो जनता इनसे पूछेगी कि क्या हमारे फैसले भी आप दिल्ली से बैठकर करोगे। बीजेपी की यह स्थिति है कि उनके कार्यकर्ता पूछते हैं कि हमारा नेता कौन है। इनके पास चुनाव लड़ने के लिए चेहरा तक नहीं है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा तो यह चुनाव से पहले हार मानने की स्थिति में आ गए हैं।

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में जिताऊ प्रत्याशियों पर ही दांव लगाएगी। पार्टी को जो प्रत्याशी जीतने वाला लगेगा चाहे वह कितनी भी अधिक उम्र का क्यों ना हो उसे मैदान में उतारा जाएगा। कांग्रेस का प्रयास है कि राजस्थान में लगातार दूसरी बार सरकार बना कर हर बार सरकार बदलने के मिथक को तोड़ा जाए। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता अलग-अलग एंगल से सभी 200 विधानसभा क्षेत्र में जीतने वाले प्रत्याशियों के लिए सर्वे करवा रहे हैं। जिस व्यक्ति का नाम भी सर्वे में उभर कर आएगा उसको ही इस बार कांग्रेस पार्टी टिकट देकर चुनावी मैदान में उतरेगी। कांग्रेस के बड़े नेताओं का मानना है कि आम कार्यकर्ता से लेकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि तक कोई भी टिकट के लिए आवेदन कर सकता है। वरिष्ठ नेता पूरी तरह से छानबीन कर अंतिम सूची में जीतने वाले नाम पर ही मोहर लगाएंगे। जयपुर में संपन्न हुई नवगठित प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल व प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी में कहा था कि हम चुनाव जीतेंगे। हमने प्रदेश की जनता के भले के लिए बहुत से नए काम किए हैं तथा बहुत सी नयी योजनाएं प्रारंभ की हैं। जिससे प्रदेश की अधिकांश जनता लाभान्वित हो रही हैं। हमारे द्वारा शुरू किए गए कामों के बदौलत ही राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस पार्टी को फिर से जिताने का मानस बना लिया है। कांग्रेस के सभी नेता मिलजुल कर पूरी एकजुट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। जबकि भाजपा में आज भी अलग-अलग नेताओं के अलग-अलग गुट बने हुए हैं। ऐसे में प्रदेशवासी कांग्रेस की ही सरकार बनाने की चर्चा करने लगे हैं। गहलोत का कहना है कि बीजेपी तो हार मान चुकी है। जबकि हम चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। बीजेपी में दिल्ली से आकर नेता चुनाव लड़ेंगे तो जनता इनसे पूछेगी कि क्या हमारे फैसले भी आप दिल्ली से बैठकर करोगे। बीजेपी की यह स्थिति है कि उनके कार्यकर्ता पूछते हैं कि हमारा नेता कौन है। इनके पास चुनाव लड़ने के लिए चेहरा तक नहीं है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा तो यह चुनाव से पहले हार मानने की स्थिति में आ गए हैं। जनता इस बात का एहसास कर रही है।

जयपुर में कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की पहली बैठक के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि विधानसभा चुनाव में युवा हो या बुजुर्ग हो टिकट वितरण में केवल जिताऊ को ही देखा जाएगा। यही सबसे बड़ा क्राइटेरिया होगा। गहलोत का मानना है कि कर्नाटक चुनाव में 90 साल के व्यक्ति को भी टिकट दिया गया था जो चुनाव जीतकर आया। इसलिए जो जीत सकता है उसको ही टिकट दिया जाएगा। गहलोत के इस बयान से साफ है कि उदयपुर चिंतन शिविर के घोषणापत्र का पालन टिकटों में नहीं होगा। आगामी विधानसभा चुनाव में युवाओं को टिकटों में प्राथमिकता देने की जगह जिताऊ का मापदंड रहेगा। कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों के टिकट जल्दी से जल्दी तय करना चाहती है। कांग्रेस के अधिकांश वरिष्ठ नेता चुनाव की आदर्श आचार संहिता लगने से पहले प्रत्याशियों के नाम तय कर देना चाहते हैं। इसको लेकर ब्लाक कमेटियों से लेकर प्रदेश स्तर पर गठित चुनावी समितियों की बैठकों का दौर शुरू कर दिया गया है। पार्टी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों और पार्टी नेताओं ने टिकटों के पैनल पर काम शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान के सभी 25 लोकसभा सीटों पर गुजरात, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के 25 विधायकों को पार्टी पर्यवेक्षक बनाकर जिलों में भेजा गया था। इन 25 पर्यवेक्षकों में से हर एक को लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले आठ विधानसभा सीटों का फीडबैक लेने का काम दिया गया था।

सभी पर्यवेक्षकों ने जिलों में जाकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक को का आयोजन कर विभिन्न नेताओं से पार्टी के संभावित प्रत्याशियों के बारे में फीडबैक लिया तथा पार्टी की टिकट चाहने वालों के बायोडाटा भी एकत्रित किए हैं। सभी पर्यवेक्षको ने जयपुर लौटकर अपनी रिपोर्ट पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा को सौंप दी है। इसके अलावा इसके अलावा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्षों से भी राय मांगी जाएगी। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व उनके साथ तीन सह प्रभारी भी लगातार प्रदेश का दौरा कर विभिन्न स्तरों पर रायशुमारी कर रहे हैं। टिकट वितरण में पार्टी द्वारा उम्र का बंधन लागू नहीं करने के कारण उम्रदराज नेताओं को भी टिकट मिलने की संभावना बन गई है। इसी के चलते कांग्रेस विधायक हेमाराम चौधरी, दीपेंद्र सिंह शेखावत, भारत सिंह जैसे उम्रदराज नेताओं ने अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी। मगर उम्र का बंधन नहीं होने के चलते शायद यह लोग भी फिर से चुनावी मैदान में उतर जायें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने भी आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम में एक बड़ी रैली को संबोधित कर राजस्थान में चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी है। राहुल गांधी के राजस्थान दौरे के बाद कांग्रेस के नेता सक्रिय होकर चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री गहलोत भी चुनाव को लेकर पूरे आक्रामक मूड में है। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की मीटिंग में मुख्यमंत्री ने अपने नजदीक माने जाने वाले कांग्रेस नेताओं को जमकर फटकार लगाई।

विधायक रघु शर्मा ने जब जातिगत जनगणना के फैसले पर सवाल उठाते हुए इससे चुनावों में नुकसान होने की आशंका जताई तो गहलोत ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि तुम तो नेशनल लीडर हो। राहुल गांधी से ही सीधी बात क्यों नहीं कर लेते। आपको पता है यह हमारी पार्टी का नेशनल स्टैंड है और आप इस तरह की बात कह रहे हो। कर्नाटक में राहुल गांधी ने बोला था। बाकी जगह भी कांग्रेस का यही स्टैंड है। बैठक में पूर्व सांसद रघुवीर मीणा ने आदिवासी इलाके मानगढ़ की सभा में एसटी आरक्षण की जगह ओबीसी आरक्षण पर घोषणा करने को पार्टी के लिए नुकसानदायक बताते हुए इस पर सवाल उठाए। रघुवीर मीणा के सवाल उठाने पर गहलोत ने कहा कि मुझे पता है कहां क्या घोषणा करनी है। मुख्यमंत्री सबका होता है मेरी प्राथमिकता सब लोग हैं। कोई बात कहां रखनी है मैं मुख्यमंत्री हूं इतना तो जानता ही हूं। अब तो सलूंबर को जिला बना दिया और आपके चुनाव जीतने का रास्ता साफ कर दिया है। फिर भी यह बात बोल रहे हो। बैठक के दौरान खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बीजेपी के आरोपों पर आक्रामक होने की सलाह दी तो गहलोत ने खाचरियावास पर भी तंज कसते हुए कहा कि खाचरियावास बोलते-बोलते पता नहीं कौन सा ट्रैक पकड़ कर क्या बोल जाते हैं। केसी वेणुगोपाल जी अनुशासन के मामलों में कार्रवाई करने में थोड़ा वक्त लगाते हैं। अगर इनकी जगह मैं होता तो बता देता। गहलोत ने राज्यसभा सांसद नीरज डांगी पर भी तंज कसते हुये कहा कि आपको पार्टी ने दो बार मौके दिया जीते नहीं तो पार्टी ने राज्यसभा सांसद बना दिया। कम से कम अब तो एक विधानसभा सीट जितवाने की जिम्मेदारी लेनी ही चाहिए।

चुनावी तैयारियों के नजरिये से कांग्रेस पार्टी प्रदेश में भाजपा से काफी आगे चल रही है। सचिन पायलट के शांत होने से पार्टी में चल रही गुटबाजी बंद हो गयी है। यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ही पूरे चुनावी अभियान का नेतृत्व करगें। भाजपा द्वारा गहलोत के सामने अभी तक कोई चुनावी चेहरा नहीं उतारे जाने के चलते कांग्रेस को फायदा होता नजर आ रहा है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

दिल को भी दर्द दे रहा है माइक्रोप्लास्टिक

डॉ. शशांक द्विवेदी

जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए जब प्लास्टिक का आविष्कार हुआ था तब किसी ने सपने में नहीं सोचा होगा कि यही प्लास्टिक आज मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाएगा। सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक के क्रम में प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न अंग हो गया है लेकिन अब यही प्लास्टिक, माइक्रोप्लास्टिक बनकर हमारे शरीर में घुलकर जहर का काम कर रहा है। प्रदूषण के कारण शरीर में माइक्रोप्लास्टिक के कण मिलने के प्रमाण तो पहले सामने आ चुके हैं, लेकिन अब यह खतरा दिल तक पहुंच गया है। पिछले दिनों अमेरिका में सर्जरी के पहले और बाद में लिए गए दिल के ऊतकों यानी टिश्यू के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक के कण मिलने की पुष्टि हुई है। शोधकर्ताओं ने 15 लोगों के दिल की सर्जरी के पहले और बाद में टिश्यू के नमूने लिए थे। ज्यादातर नमूनों में हजारों माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए गए। प्लास्टिक के प्रकार व कणों की संख्या मरीजों में अलग-अलग रही। शोधकर्ताओं ने कहा कि किसी के दिल पर माइक्रोप्लास्टिक कणों से पड़ने वाले प्रभाव को समझने के लिए अभी व्यापक शोध की जरूरत है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि दिल तक माइक्रोप्लास्टिक का पहुंचना चिंताजनक है। टिकाऊ होना प्लास्टिक की खूबी थी, लेकिन अब वही इससे खतरे का कारण बन गया है। प्लास्टिक नष्ट नहीं होता है। लंबे समय तक मिट्टी या पानी में पड़े रहने पर भी प्लास्टिक गलता नहीं है। इस कारण प्लास्टिक कचरा संकट बनता जा रहा है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों में फेंके जाने वाले प्लास्टिक कचरे के कारण पानी के माध्यम से लोगों के शरीर में माइक्रोप्लास्टिक के कण पहुंचने लगे हैं। साथ ही हवा के रास्ते भी शरीर में माइक्रोप्लास्टिक पहुंचने लगे हैं। शरीर में माइक्रोप्लास्टिक के कण कैंसर समेत कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। खून में और पेट में माइक्रोप्लास्टिक के कण मिलने की बातें आम हो गई हैं। यूरोपीय केमिकल एजेंसी के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक्स 5 मिमी से कम लंबाई के किसी भी तरह के प्लास्टिक के टुकड़े हैं। वे ब्यूटी प्रोडक्ट, कपड़े, खाद्य पैकेजिंग और इंडस्ट्रियल प्रोसेस सहित अनेक तरीकों से नेचुरल इकोसिस्टम में प्रवेश करके प्रदूषण और बीमारी का कारण बनते हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स के दो टाइप हैं, प्राइमरी माइक्रोप्लास्टिक्स में कोई भी प्लास्टिक के टुकड़े या कण शामिल होते हैं जो पर्यावरण में प्रवेश करने से पहले ही 5.0 मिमी या उससे कम आकार के होते हैं। इनमें कपड़ों के माइक्रोफाइबर, माइक्रोबीड्स और प्लास्टिक पैलेट्स (जिन्हें नर्डल्स भी कहा जाता है) शामिल हैं। पर्यावरण में प्रवेश करने के बाद नेचुरल वैदरिंग के माध्यम से बड़े प्लास्टिक उत्पादों के टूटने से दूसरे माइक्रोप्लास्टिक्स उत्पन्न होते हैं। सेकेंडरी माइक्रोप्लास्टिक्स के सोर्सेज में पानी और सोडा की बोतलें, मछली पकड़ने के जाल, प्लास्टिक बैग, माइक्रोवेव कंटेनर, टी बैग और टायर शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, हर वर्ष दुनियाभर में 500 अरब प्लास्टिक बैग उपयोग होते हैं, जो सभी प्रकार के अपशिष्टों का 10 प्रतिशत है। हमारे देश में प्रतिदिन 15000 टन प्लास्टिक अपशिष्ट निकलता है, जिसकी मात्रा निरंतर बढ़ती जा रही है। प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि पूरे विश्व में इतना प्लास्टिक हो गया है कि इस प्लास्टिक से पृथ्वी को पांच बार लपेटा जा सकता है। समुद्र में करीब 80 लाख टन प्लास्टिक बहा दिया जाता है, जिसका अर्थ है कि प्रति मिनट एक ट्रक कचरा समुद्र में डाला जा रहा है। यह स्थिति पृथ्वी के वातावरण के लिए बेहद हानिकारक हो सकती है क्योंकि प्लास्टिक को अपघटित होने में 450 से 1000 वर्ष लग जाते हैं। सुबह उठकर ब्रश करने से लेकर दिनभर के कई कामों में हम तरह-तरह से प्लास्टिक इस्तेमाल करते हैं। सब्जियों की थैली से लेकर फूड्स पैक करने के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही पानी पीने की बोतल, कॉफी-चाय कप, प्लास्टिक फेस मास्क, टी बैग्स, वेट टिश्यू, वाशिंग पाउडर, घर में रंगने के लिए इस्तेमाल होने वाले कलर और कई कॉस्मेटिक प्रोडक्ट में भी प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता है। इन सब में ऐसा माइक्रोप्लास्टिक होता है जो आपके दिमाग तक भी पहुंच जाता है। प्लास्टिक से हमारे शरीर को कई नुकसान होते हैं, रेड ब्लड सेल्स के बाहरी हिस्से से चिपक जाते हैं और ऑक्सीजन फ्लो को पूरी तरह बाधित कर सकते हैं, जिससे शरीर के टिश्यू में ऑक्सीजन में कमी आ सकती है। इसके अलावा इससे इम्यून सिस्टम पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। यह धीरे-धीरे आपके शरीर को कमजोर बना सकता है और आपकी प्रोडक्टिविटी प्रभावित होती है। यह गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए भी हानिकारक हो सकता है। इसके अलावा यह फेफड़ों, हार्ट, ब्रेन, डाइजेस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। माइक्रो और नेनो प्लास्टिक मानव शरीर की संरचना पर असर डाल सकते हैं। जनरल एनवायरनमेंट इंटरनेशनल में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार 80 प्रतिशत व्यक्तियों के खून में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया है। रिपोर्ट में एक और बात सामने आई है कि मानव शरीर में माइक्रोप्लास्टिक घूम सकता है और शरीर के कई महत्वपूर्ण हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है। जिसका सीधा असर दिमाग पर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने इस बात पर चिंता जताई है कि अगर स्थिति यही रहती है तो यह ह्यूमन बॉडी सेल्स को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। माइक्रोप्लास्टिक के प्रभाव के कारण शख्स की मौत कम उम्र में भी हो सकती है। इस शोध में 22 अलग-अलग लोगों के खून के नमूने लिए गए थे और इनमें से अधिकतर लोगों के खून में पीईटी प्लास्टिक, जो आमतौर पर पीने की बोतलों में पाया जाता है। इसमें एक-तिहाई मात्रा में पॉलीस्टाइनिन होता है, जिसका प्रयोग भोजन और अन्य उत्पादों की पैकेजिंग के लिए किया जाता है। इसके अलावा इसमें पॉलीइथाइलीन था, जिसका इस्तेमाल प्लास्टिक बैग बनाने में किया जाता है। माइक्रोप्लास्टिक का आकार 0.0007 एम.एम. होता है, जो शरीर में आसानी से आवागमन कर सकते हैं। इस बात में कोई शक नहीं है कि प्लास्टिक हमारी सेहत के लिये खतरनाक है, ऐसे में हमें प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने का संकल्प लेना चाहिए। मसलन प्लास्टिक के बैग्स को संभाल कर रखें। इन्हें कई बार इस्तेमाल में लाएं। प्लास्टिक के पैकेज्ड फूड से बचना होगा, प्लास्टिक की प्लेट में कोई भी भोज्य पदार्थ का प्रयोग न करें, साथ ही सतर्कता बरतनी होगी कि प्लास्टिक शरीर में किसी भी रूप में न पहुंचे।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

विचार मंथन

मणिपुर जातीय हिंसा की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश

(लेखक - सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट द्वारा मणिपुर में जातीय हिंसा के पीड़ितों को राहत और पुनर्वास कार्यों की निगरानी के लिए समितियां का गठन किया था। समिति ने तीनों रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है। सेवानिवृत्ति न्यायमूर्ति गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने सुप्रीम कोर्ट को जो रिपोर्ट सोंपी है। उसकी समीक्षा कर रही सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ मुआवजा, महिलाओं के खिलाफ अपराध, मेंटल व मेडिकल हेल्थ केयर, राहत शिविर, डेटा रिपोर्टिंग और मॉनिटरिंग जैसे विषयों पर रिपोर्ट सौंप दी है। महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस प्रमुख दत्तात्रेय पडसालगिकर ने अपराधिक मामलों की जांच को लेकर, प्रारंभिक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को दी है। रिपोर्ट में मणिपुर के हजारों नागरिक मणिपुर में हुई हिंसा के दौरान, अपने आवश्यक दस्तावेज गंवा चुके हैं। समिति ने उन्हें फिर से बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। समिति ने पीड़ितों के लिए मुआवजा योजना को, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित योजना के अनुरूप बनाने और उसमें सुधार किए जाने की अनुशंसा की है। समिति ने अपने काम को सुविधा जनक करने के लिए, विशेषज्ञों की नियुक्ति और संसाधन की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पूर्व न्यायाधीश गीता मित्तल की समिति ने मणिपुर का दौरा करके,जो रिपोर्ट तैयार की है। उसके बाद थोड़ा विश्वास मणिपुर के नागरिकों में कायम हुआ है। अभी भी कुकी समुदाय के लोग आसंकित और भयभीत हैं। राज्य सरकार के ऊपर उन्हें अभी भी कोई भरोसा नहीं हो पा रहा है। कुकी इलाकों में अभी भी आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई सुनिश्चित नहीं हो पाई है। जिसके कारण एक बार फिर राजमार्गों पर अनिश्चितकालीन नाकेबंदी शुरू हो गई है। मणिपुर विधानसभा का विशेष सत्र भी नहीं बुलाया जा सका है। प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। राज्य सरकार ने विशेष सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल को लिखा था लेकिन अभी तक इसकी कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई। समिति की प्रारंभिक रिपोर्ट मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट बड़ी सावधानी के साथ स्थितियों का अध्ययन कर रही है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की असंवेदनशीलता के कारण, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी को भी काम करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समिति को पर्याप्त प्रशासनिक सहायता और वित्तीय खर्च इत्यादि भी उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के मामले में भी समिति और उसके सदस्यों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट मणिपुर हिंसा से जुड़ी 10 याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। मणिपुर में अभी तक दोनों समुदायों के बीच मे शांति स्थापित होनी चाहिए,उसमें सरकार की भूमिका को लेकर भी शांति स्थापित करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। अब देखना यह है कि सुप्रीम याचिकाओं की सुनवाई और समिति की रिपोर्ट को आधार बनाकर किस तरह का फैसला करती है। मणिपुर के वर्तमान हालत को देखते हुए यही कहा जा सकता है। मणिपुर में शांति स्थापित होने में अभी और भी कई महीने लग सकते हैं। इसमें सुप्रीम कोर्ट की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। मणिपुर के नागरिक सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। यहां के लोगों को थोड़ा विश्वास अभी भी सुप्रीम कोर्ट पर बना हुआ है। न्यायपालिका से कोई अच्छा फैसला, और उसका सही अर्थों में क्रियान्वयन नहीं हुआ। ऐसी स्थिति में मणिपुर की समस्या कैंसर की तरह विकराल रूप धारण करेगी। इस बात की भी आशंका व्यक्त की जाने लगी है। सुप्रीम कोर्ट को भी त्वरित रूप से मणिपुर के मामले में सुनवाई करते हुए नागरिकों को राहत पहुंचाने की दिशा में संवेदनशीलता का परिचय देना होगा।

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

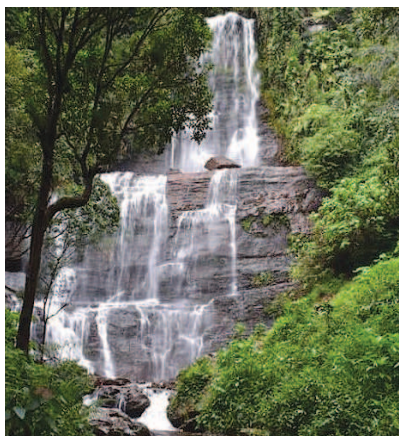

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' या 'भारत का स्विटज़रलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

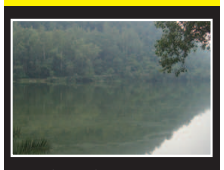

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

मार्च 2025 तक 57 नए नेक्सा शोरूम शुरु करेगी मारुति

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया में अपने अनुभव सेंटर बढ़ाने की तैयारी कर रही है। कंपनी की योजना मार्च 2025 तक 57 नए नेक्सा शोरूम शुरु करने की है। मारुति इंडिया ने फैसला मार्केट में बढ़ रहे उनके हाई-एंड वाहनों की डिमांड को लेकर किया है। मार्केटिंग और सेल्स के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी शशांक श्रीवास्तव ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मारुति इंडिया की कुल बिक्री में नेक्सा की हिस्सेदारी लगभग 31.9 प्रतिशत थी, जो पूरे वित्त वर्ष 2023 (2022-23) के लिए 22.4 प्रतिशत से अधिक है। बता दें कि कंपनी के नेक्सा शोरूम के माध्यम से बलेनो, इग्निस, ग्रैंड विटारा, जिम्नी, फ्रोंक्स, सियाज, इनविक्टो और एक्सएल 6 जैसे टॉप मॉडल्स सेल किए जाते हैं।

हेराफेरी के चलते ब्राइटकॉम ग्रुप के शेयरों की बिक्री पर सेबी ने लगाई पाबंदी

नई दिल्ली । रेगुलेटर सेबी ने 22 अगस्त को एक अंतरिम आदेश पास करके ब्राइटकॉम ग्रुप के शेयरों की बिक्री पर रोक लगाई है। आदेश के बाद से अब दिग्गज निवेशक शंकर शर्मा सहित 23 लोग ब्राइटकॉम ग्रुप के शेयर नहीं बेच पाएंगे। बता दें सेबी ने ब्राइटकॉम ग्रुप के प्रीफरेंशियल शेयरों की जांच के बाद यह अंतरिम आदेश पास किया है। जांच में सेबी ने पाया कि ब्राइटकॉम ग्रुप के प्रीफरेंशियल शेयरों के आवंटन में हेरफेर किया गया है। साथ ही ये भी पता चला कि ब्राइटकॉम ग्रुप के पैसों को ठिकाने लगाने के लिए आर्बिट्रियों से शेयर एप्लिकेशन के पैसों के फर्जी रसीद लिए गए हैं। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने ब्राइटकॉम ग्रुप के एमडी और चेयरमैन सुरेश कुमार रेड्डी और इसके सीएफओ नारायण राजू पर अगले आदेश तक किसी भी लिस्टेड कंपनी या उसकी सब्सिडियरी में डायरेक्टर या मैनेजर लेवल के पद संभालने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही सुरेश कुमार रेड्डी के कंपनी के शेयर बेचने पर भी पाबंदी लगा दी है। सेबी ने अपने अंतरिम ऑर्डर में ब्राइटकॉम ग्रुप को यह सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं कि ऑडिटर कंपनी पी.मुरारी एंड को. और पीसीएन एंड एसो सिएट सहित उनके नए पुराने पार्टनर्स किसी भी तरह ब्राइटकॉम ग्रुप या इसकी सहयोगी कंपनियों से ना जुड़े हों। सेबी के ऑर्डर के मुताबिक, नोटिस नंबर 25 के तहत शंकर शर्मा को 37.77 रुपए प्रति वारंट के हिसाब से 1,50,00,000 वारंट जारी किए गए थे। इस हिसाब से शंकर शर्मा को कुल 56.66 करोड़ रुपए का पेमेंट करना होता। लेकिन कंपनी को 55.66 करोड़ रुपए की जगह सिर्फ 39.98 करोड़ रुपए ही मिले। यानि उसे सही वैल्यू से 16.67 करोड़ रुपए कम मिले हैं।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया हुआ मजबूत

नई दिल्ली । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ खुला। स्थानीय शेयर बाजारों के सुस्त रुख के बीच रुपया सीमित दायरे में था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.02 पर खुला और फिर 82.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव की तुलना में सात पैसे की बढ़त है। मंगलवार को रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ 82.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत गिरकर 103.48 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 84.17 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स 213 अंक उछला, निवेशकों ने 67,000 करोड़ कमाए

मुंबई ।

बुधवार को शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ। कारोबार में बैंकिंग शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। रियल्टी और पीएसई शेयरों में खरीदारी रही। वहीं एनर्जी, एफएमसीजी और मेटल शेयरों में दबाव रहा। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 213.27 अंक की बढ़त के साथ 65,433.30 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 47.50 अंक की बढ़त के साथ 19444 के स्तर पर बंद हुआ। जहां बुधवार के कारोबार में अडानी इंटरप्राइजेज, एचडीएफसी लाइफ, आईटीसी, एनटीपीसी और हीरो मोटर निफ्टी के टॉप गेनर साबित हुए। वहीं बीपीसीएल, सिपला, एस्सार मोटर्स और टीसीएस निफ्टी के टॉप लूजर साबित हुए।

जहां बुधवार को बाजार में तेजी की अगुआई बैंकिंग शेयरों ने की। इसकारण शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति बुधवार को करीब 67,000 करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन बुधवार को को बढ़कर 309.03 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार 22 अगस्त को 308.36 लाख करोड़ रुपये था।

डेटसन कंपनी ने बंद किया अपना ये मॉडल

मुंबई । इंडियन ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में मौजूद कई कार कंपनियों द्वारा अपडेट्स के बाद कई मॉडल को बंद कर दिया गया है। हालांकि कुछ कंपनियों ने बंद किए मॉडल्स को नया रुप देकर फिर से पेश कर दिया है। हाल ही में ऐसी खबर सामने आई कि डेटसन कंपनी ने रेडी-गो मॉडल को बंद किया हैं, इसकी कीमत केवल 3.82 लाख रुपए थी। वर्तमान में रेडी-गो 800 सीसी और 1000 सीसी इंजन ऑप शन के साथ उपलब्ध थी। यदि रेडी गो वापसी करती है, तब इसमें 1.0 लीटर का इंजन ही मिलेगा। इसके अलावा इसमें 6 एयरबैग, सीएनजी ऑप शन मिल सकता है। इसकी फीचर लिस्ट में भी काफी बदलाव जैसे- नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, एबीएस, ईबीडी, इलेक्ट्रॉनिक स्टीयरिंग, स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल मिल सकते हैं। उम्मीद है कि इसके एक्सटीरियर में भी कुछ बदलाव किए जा सकते हैं।

बैंकों से धोखाधड़ी, वरुण इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों से 388.17 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में मुंबई स्थित वरुण इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। सीबीआई ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार वरुण इंडस्ट्रीज पर इन बैंकों से 388.17 करोड़ रुपये का फ्रॉड करने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2023 के दौरान सीबीआई ने वरुण इंडस्ट्रीज लिमिटेड की दो कंपनियों वरुण ज्वेल और ट्रिमैक्स डाटा सेंटर की जांच की थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बैंक फ्रॉड मामले में इस जांच को किया था। जिसमें आरोप लगाया गया था कि वरुण ज्वेल ने पीएनबी से कर्ज लिया था और 46 करोड़ रुपये उसके अकाउंट में ट्रांसफर किए गए थे, जिसके बाद वरुण ज्वेल का अकाउंट एनपीए हो गया। कंपनी का अकाउंट एनपीए होने से पंजाब नेशनल बैंक को 63 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कंपनी पर आरोप है उसने पीएनबी से लोन लेकर मॉरीशस की अपनी सहायक कंपनियों को 8 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इसके अलावा वरुण इंडस्ट्रीज की अन्य कंपनी ट्राइमैक्स डेटासेंटर सर्विसेज ने साल 2014 में बैंक ऑफ महाराष्ट्र से भी 29 करोड़ रुपये का लोन लिया था और कई पार्टियों को पैसे ट्रांसफर किए थे। ये कंपनी ट्राइमैक्स आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज से जुड़ी कंपनी है। कंपनी ने इसके बाद फंड को कई अन्य बैंक अकाउंट से वापस लिया और रूटिंग सेल के जरिए होडिंग कंपनी के अकाउंट में पैसा ट्रांसफर किया गया। इसके चलते साल 2018 में इसका अकाउंट एनपीए हो गया।

गोल्ड खपत में दूसरे नंबर पर भारत, हर साल 800 टन की होती है खरीदी

नई दिल्ली ।

भारत में गोल्ड का बाजार बेहद ही चमकीला है। यहां हर साल 800 टन गोल्ड की खरीदी होती है। जबे कि भारत देश गोल्ड खपत में दूसरे नंबर पर है। सोना पहनना और इसमें निवेश करना दोनों भारतीयों की पसंद है। पड़ोसी देश चीन के बाद दुनिया में दूसरे नंबर पर गोल्ड की सबसे ज्यादा खपत भारत में होती है। लेकिन, हैरानी की बात है कि हमारे यहां जितनी सोने की मांग होती है उसकी तुलना में उत्पादन ना के बराबर होता है। भारत में हर साल लोग 800 टन सोना खरीद लेते हैं जबकि देश में स्थित खदानों से सिर्फ 1 टन गोल्ड निकलता है। ऐसे में 799 टन गोल्ड आयात किया जाता है यानी बाहर से मंगाया जाता है। बीते 6 वर्षों में भारत में सोने की खपत लगातार बढ़ी है, जो 666 टन से लेकर 799 टन तक पहुंच गई। सिर्फ कोरोना महामारी के समय साल 2020 में गोल्ड की खपत 445 टन रही। खास बात है कि आजादी के बाद पिछले 76 वर्षों में सोने का भाव 89 रुपये से लेकर 59,000 रुपये पहुंच गया, लेकिन इसकी मांग में कोई कमी नहीं रही। हालों कि दुनिया में गोल्ड रिजर्व के मामले में अमेरिका नंबर वन है, क्योंकि अमेरिकी सरकार के खजाने में 8,133 टन सोना है, जबकि भारत के पास 797 टन गोल्ड रिजर्व है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीयों के पास 2019 में 25,000 टन से ज्यादा गोल्ड था। यानी अमेरिका के सरकारी खजाने से करीब 3 गुना ज्यादा सोना हमारे घरों में रखा है। भारतीयों के पास रखे सोने की कीमत 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। भारत में हर साल 800 टन सोने की खपत होती है जिसकी भारतीय रुपयों में यह रकम 36,60,67,10,26,639 खरब रुपये होती है। भारत में सोने में निवेश के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लोग अपनी बचत का सिर्फ 5 प्रतिशत ही बैंक स्कीम या अन्य योजनाओं में लगाते हैं, बाकी पैसा गोल्ड में इन्वेस्ट करते हैं। देश में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा लोग कुल निवेश का 28.3 प्रतिशत हिस्सा गोल्ड में लगाते हैं।

बता दें कि भारत सोने का आयात स्विट्जरलैंड, यूएई और दक्षिण अफ्रीका से करता है। भारतीयों के पास कुल सोने में करीब 80 प्रतिशत हिस्सा गहनों का है।

वहीं, भारत के मंदिरों में ढाई हजार टन गोल्ड है। केरल के पद्मनाभ स्वामी मंदिर में 1300 टन सोना होने का अनुमान है। आंध्रप्रदेश के तिरुपति मंदिर के पास 250 से 300 टन सोना है। यहां हर महीने 100 किलो सोना चढ़ावे के तौर पर आता है।

10 मिनट के चार्ज में बैटरी चलेगी 400 किलोमीटर

-चीन की कंपनी सीएटीएल ने किया यह दावा

नई दिल्ली ।

चीन की बैटरी निर्माता कंपनी सीएटीएल ने दुनिया की पहली लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरी लॉन्च करने का दावा किया है जिसे 4सी तकनीक से चार्ज किया जा सकता है। यह बैटरी केवल 10 मिनट के चार्ज में एक इलेक्ट्रिक वाहन को 400 किलोमीटर चलाने तक के लिए चार्ज हो सकती है। वहीं इसे फुल चार्ज होने में केवल 15 मिनट ही लगेंगे। बैटरी को बनाने वाली कंपनी का दावा है कि एडवांस 4सी चार्जिंग तकनीक, मॉड्यूल और बैटरी कैमिस्ट्री के वजह से इस बैटरी को सुपरफास्ट स्पीड से चार्ज करना मुमकिन हो पाया है। सीएटीएल ने दावा किया है कि इलेक्ट्रोलाइट के बेहतर गुणों के कारण बैटरी फास्ट चार्जिंग के समय सामान्य स्तर तक ही गर्म होती है जिसके वजह से यह पूरी तरह सुरक्षित है। कंपनी ने बैटरी के टेम्प्रेचर को कंट्रोल करने के लिए एडवांस एल्गोरिदम का उपयोग किया है जिससे बैटरी सेल को नुकसान से बचाया जा सकता है। कंपनी बैटरी को किसी भी खराबी से बचने के लिए उत्पादन लाइन में बड़े पैमाने पर चेकपॉइंट्स का उपयोग करती है। दावा है कि कंपनी बैटरी का 6,800 तरह से निरीक्षण करने के बाद ही उसे तैयार करती है। आमतौर पर ज्यादा ठंड वाले इलाकों में लिथियम आयन बैटरी को चार्ज करने में काफी मुश्किल होती है। तापमान जितना कम होता है बैटरी को चार्ज करने का समय उतना बढ़ जाता है। ऐसे में सीएटीएल की नई एलएफपी बैटरी माइनस 10 डिग्री में भी 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज होने में महज 30 मिनट का समय लेगी। इस बैटरी को पूरी तरह चार्ज करने के बाद 700 किलोमीटर की रेंज मिल सकती है। इस बैटरी को 2024 में वाहन के साथ लॉन्च करने की तैयारी चल रही है।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड के यूनिटधारकों को पैसा का भुगतान हुआ

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने बताया

मुंबई ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने कहा कि उसने फैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की बंद हो चुकी छह ऋण योजनाओं में परिसंपत्तियों का परिसमापन कर यूनिटधारकों को 27,508 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने अप्रैल, 2020 में अपनी छह बॉन्ड म्यूचुअल फंड योजनाओं को बाजार में तरलता के अभाव में बंद करने की घोषणा कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट को इन बंद योजनाओं की परिसंपत्तियों का निपटारा करने और भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने कहा कि उसने 217 प्रतिभूतियों का परिसमापन करते हुए इनके मद में 27,508 करोड़ रुपये का भुगतान इसके यूनिटधारकों को कर दिया है। यह इन योजनाओं के बंद होने की तारीख 23 अप्रैल, 2020 को रहे प्रतिभूतियों के मूल्य 25,215 करोड़ रुपये का 109 प्रतिशत है। इन बंद योजनाओं में फ्रैंकलिन इंडिया लो ड्यूरेशन फंड, फ्रैंकलिन इंडिया डाइनमिक अक्रुअल फंड, फ्रैंकलिन इंडिया क्रेडिट रिस्क फंड, फ्रैंकलिन इंडिया शॉर्ट टर्म इनकम प्लान, फ्रैंकलिन इंडिया अल्ट्रा शॉर्ट बॉन्ड फंड और फ्रैंकलिन इंडिया इनकम ऑपर्च्यूनिटीज फंड शामिल थीं।

नेपाल में शुरु हो रहा अमेरिका का 70 करोड़ डॉलर का एमसीसी प्रोग्राम, भारत के लिए अच्छा

प्रोग्राम शुरु होने से चीन हुआ आगबबूला

काठमांडू । भारत के पड़ोसी देश नेपाल में चीन की चाल बुरी तरह से फेल हुई है। नेपाल 30 अगस्त से अमेरिका के मिलेनियम चैलेंज कोऑपरेशन या एमसीसी प्रोग्राम को पूरी तरह से लागू कर रहा है। करोड़ों डॉलर के अमेरिकी प्रोग्राम के शुरू होते ही नेपाल में बिजली के लिए ट्रांसमिशन लाइन और हाइवे का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। इन प्रॉजेक्ट को अगले 5 साल के अंदर पूरा करना होगा। नेपाल और अमेरिका ने साल 2017 में एमसीसी प्रॉजेक्ट पर साइन किया था लेकिन चीन के भारी विरोध की वजह से यह प्रॉजेक्ट शुरू नहीं हो पा रहा था। करीब डेढ़ साल पहले ही नेपाली संसद ने अमेरिकी एमसीसी को अपनी मंजूरी दी थी। अमेरिका एमसीसी प्रॉजेक्ट के तहत नेपाल को करीब 70 करोड़ डॉलर की मदद दे रहा है। एमसीसी प्रॉजेक्ट के तहत नेपाल के बुटवल से भारत के गोरखपुर तक ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण होगा। हालांकि इन सभी प्रॉजेक्ट के लिए जमीन का अधिग्रहण नहीं हो सका है। नेपाल में एमसीसी प्रॉजेक्ट का शुरू होना चीन के लिए बहुत बड़ा झटका है जो अपने कम्युनिस्ट गुलामों के द्वारा कई महीने से भारी विरोध प्रदर्शन करवा रहा था।नेपाली संसद की मंजूरी देने के बाद चीन आगबबूला हो गया था और बयान जारी करके ड्रैगन ने कहा था कि अमेरिका को दबाव वाली कूटनीति से दूसरे देशों की संप्रभुता को कमजोर नहीं करना चाहिए। दरअसल, नेपाली संसद की मंजूरी से चीन भौचक्के का रह गया था। इससे पहले अमेरिका ने नेपाल से दो टूक कह दिया था कि अगर एससीसी को पारित नहीं किया जाता है, तब इसके दुष्परिणाम भुगतना होगा। चीन का दावा था कि एमसीसी अमेरिका के हिंद प्रशांत नीति का हिस्सा है लेकिन नेपाल ने इस पूरी तरह से खारिज कर दिया था। नेपाल ने साफ कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता है और नेपाल का संविधान सर्वोच्च होगा। वहीं चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका को किसी दूसरे देश के आंतरिक मामले में हस्ते तक्षेप नहीं करना चाहिए। दरअसल, नेपाल चीन में बीआरआई को आगे बढ़ा रहा है लेकिन नेपाल की सरकार ने कर्ज संकट में फंसने के डर से चीन के बीआरआई अभी तक लागू नहीं किया है।

सोने-चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआती तेजी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में सोने-चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बुधवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव 72,000 रुपये, जबकि सोने के वायदा भाव 58,500 रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट बुधवार को 129 रुपये की तेजी के साथ 72,111 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 267 रुपये की तेजी के साथ 72,249 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,260 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 72,211 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपये किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 26 रुपये की तेजी के साथ 58,600 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 18 रुपये की तेजी के साथ 58,592 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 58,625 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 58,588 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के भाव तेजी के साथ खुले। कौमैक्स पर सोना 1926.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछले क्लोजिंग प्राइस 1926 डॉलर था।

चार महानगरों में पेट्रोल-डीजल के भाव जस के तस, आईओसीएल ने जारी किए नए रेट

नई दिल्ली ।

देश के चार महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम जस के तस बने हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया है। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों का सीधा असर पेट्रोल-डीजल के प्राइस पर भी दिखने को मिलता है। आज भी चार महानगरों में पेट्रोल डीजल के भाव जैसे के तैसे बने हुए हैं। लेकिन राज्य स्तर पर लगने वाले टैक्स के कारण विभिन्न शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। बता दें कि सरकारी तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल डीजल के दाम प्रति दिन सुबह 6 बजे जारी किए जाते हैं। इसमें तेल की कीमत के अलावा केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से लगाए जाने वाले टैक्स, कमीशन और ढुलाई की लागत को शामिल किया जाता है। इसके बाद पेट्रोल डीजल की कीमतों का निर्धारण किया जाता है। चारों महानगरों में पेट्रोल डीजल के दाम - दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, तथा कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर हैं।

अन्य बड़े शहरों में पेट्रोल डीजल के दाम की बात करें तो नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 97.18 रुपये और डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 109.66 रुपये और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये और डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर, भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपये और डीजल 93.90 रुपये प्रति लीटर, तथा इंदौर में पेट्रोल 108.66 रुपये और डीजल 93.94 रुपये प्रति लीटर हैं।

डायरेक्ट प्लान के लिए सेबी दे सकता है म्यूचुअल फंडों को खर्च वसूली की अनुमति

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंडों को प्रत्यक्ष योजनाओं के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) अधिक खर्च वसूलने की अनुमति दे सकता है। हालांकि जानकारों का कहना है कि ऐसी योजनाएं वितरकों को दरकिनार कर देती हैं और नियमित योजनाओं की तुलना में इनका खर्च अनुपात कम होता है। यह नियमित योजनाओं के वितरकों को भुगतान की जाने वाली ब्रोकरेज या कमीशन की सीमा तक है। उदाहरण के तौर पर एक इक्विटी स्कीम अपने नियमित प्लान में 150 आधार अंक चार्ज कर रही है और वितरक कमीशन 50 बीपीएस तक काम करता है जबकि प्रस्तावित प्रत्यक्ष योजना 100 बीपीएस से अधिक चार्ज नहीं कर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बाजार नियामक यानी सेबी योजनाओं के बीच खर्चों के अंतर को घटाकर वितरक कमीशन के 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत या 90 प्रतिशत तक करने पर विचार कर सकता है। अगर ऐसा रहता है तो यदि कटौती की अनुमति 70 प्रतिशत है तो योजना प्रत्यक्ष योजनाओं के लिए 115 बीपीएस तक शुल्क ले सकती है।

यह कदम निवेशकों के लिए हानिकारक हो सकता है क्योंकि अधिक खर्च योजना के रिटर्न को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि, छूट से फंड हाउसों को मार्केटिंग, बिक्री और ईंट-और-मोर्टार उपस्थिति के जरिये प्रत्यक्ष योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक अतिरिक्त लागत वहन करने में मदद मिलेगी। सेबी की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, 10 साल की अवधि में 66 फीसदी प्रत्यक्ष फंडों ने अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि 39 फीसदी नियमित फंड ऐसा करने में कामयाब रहे। विशेषज्ञों ने कहा कि महामारी के बाद डिजिटलीकरण की दिशा में कदम और फिनटेक प्लेटफार्मों के विकास ने प्रत्यक्ष योजनाओं के ग्रोथ में सहायता की है। वहीं, पांच साल की अवधि में, 45 प्रतिशत प्रत्यक्ष फंडों ने 26 प्रतिशत नियमित फंडों की तुलना में अपने बेंचमार्क को पीछे छोड़ दिया।

टीम इंडिया को लेकर सौरव गांगुली का बयान, कहा- 'इससे अच्छा पेस अटैक नहीं हो सकता'

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप के लिए चुने गए खिलाड़ियों में से तो कुछ ने 6 महीने तो कुछ ने एक साल से वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। लेकिन पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली को लगता है कि टीम इंडिया एशिया कप के साथ वर्ल्ड कप भी जीत सकती है। दरअसल, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल की टीम इंडिया में वापसी हुई है। जिससे टीम का मध्यक्रम मजबूत हुआ है। वहीं, बुमराह और प्रसिद्ध ने भी लंबे समय से कोई वनडे नहीं खेला है। शमी भी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते दिखेंगे।

वहीं गांगुली को लगता है कि रोहित शर्मा एंड कंपनी वर्ल्ड कप विजेता बनने के लिए तैयार है। पूर्व कप्तान गांगुली ने कहा कि, ये एक बहुत मजबूत टीम है। बुमराह वापस आ गए हैं, जिससे टीम और भी मजबूत हो गई है। गेंदबाजी आक्रामण बहुत अच्छा है। शमी, बुमराह, सिराज इससे बेहतरीन तेज गेंदबाजी आक्रमण नहीं मिल सकता है। स्पिन में जडेजा रिस्ट स्पिनर होंगे और शानदार बैटिंग भी करते हैं। भारत एक शानदार टीम है, जिसे बस एशिया कप और वर्ल्ड कप के दौरान अच्छा और दृढ़ विश्वास के साथ क्रिकेट खेलना होगा।

बता दें कि, श्रेयस अय्यर ने पिछला वनडे इस साल की शुरूआत यानी जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। वहीं, राहुल ने पिछला वनडे 22 मार्च 2023को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। अय्यर को कमर में चोट लगी थी, जबकि राहुल आईपीएल 2023 के दौरान जांघ में चोट लगने से वो क्रिकेट मैदान से दूर हो गए थे।

विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप: त्रिसा-गायत्री की जोड़ी प्रीक्वार्टरफाइनल में पहुंची

कोपेनगेहन (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां मजबूत प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई और यांग चिन टुन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

गायत्री और त्रिसा की दुनिया की 19वें नंबर की जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी, उन्होंने 37वीं रैंकिंग पर काबिज चांग और यांग की जोड़ी को 38 मिनट में 21-18 21-10 में हराया। यह भारतीय जोड़ी आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के पिछले दो चरण के सेमीफाइनल में पहुंची थी और अब उनका सामना अगले दौर में चीन की चेन किंग चेन और जिया यि फान की शीर्ष वरीय जोड़ी से होगा।

त्रिसा और गायत्री पहले 2-5 से पिछड़ रही थी लेकिन जल्द ही उन्होंने रैली के जरिये अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गलतियां कम करते हुए 8-6 से बढ़त बना ली। चांग और यांग हालांकि 8-8 की बराबरी पर आ गयी लेकिन भारतीय जोड़ी ताइवान की जोड़ी के नेट पर शॉट लगाने से ब्रेक तक 11-9 से आगे हो गई। ब्रेक के बाद त्रिसा और गायत्री 14-11 से बढ़त बनाये थीं। तभी त्रिसा ने कुछ गलतियां कर दी लेकिन भारतीय जोड़ी चांग और यांग की सर्विस गलती से चार गेम प्वाइंट हासिल करने में सफल रहीं।

यांग के शॉट के नेट पर जाने से भारतीय जोड़ी ने गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने यही लय बनाये रखी और एक समय 8-5 से आगे चल रही थीं। एक ताकतवर सर्व से भारतीयों ने ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बनाये रखी। गायत्री और त्रिसा जल्द ही 14-8 से आगे हो गयी। उन्हें ऊंचाई के कारण सर्विस की गलती के लिए बुलाया गया लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को गलतियों की वजह से 19-10 से बढ़त बना ली। यांग के फोरहैंड के नेट में जाने से भारतीय जोड़ी 10 मैच प्वाइंट से आगे थे और फिर प्रतिद्वंद्वी के वाइड जाने से मैच जीत लिया।

कुछ वर्षों में देश में खेलों में बड़ा बदलाव आया : अनुराग ठाकुर

जयपुर (एजेंसी)। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में खेलों में बड़ा बदलाव आया है और खेलो इंडिया ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि देश में महिला खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

ठाकुर जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में 'खेलो इंडिया सेंटर' का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेल राज्य का विषय है लेकिन केंद्र सरकार भी देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा, 'अगर राज्य और केंद्र सरकार मिलकर खेलों को बढ़ावा देने के लिए काम करें तो देश के खिलाड़ी निश्चित तौर पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' केंद्रीय मंत्री ने राज्य में नए जिलों के गठन को देखते हुए और अधिक 'खेलो इंडिया' केंद्र खोलने और राजस्थान में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र खोलने की घोषणा की।

भारतीय क्रिकेटरों ने भी मनाया चंद्रयान 3 की लैंडिंग का जश्न

बुडापेस्ट (एजेंसी)। खेल डैस्क ÷भारत ने बुधवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अपने अंतरिक्ष यान - चंद्रयान -3 को सफलतापूर्वक लैंड करवा लिया। दक्षिणी ध्रुव पर जमे हुए पानी और मूल्यवान तत्वों के संभावित भंडार हैं। चंद्रयान शाम 6÷04 बजे धीरे से चंद्रमा की सतह पर उतरा। यह देखकर बेंगलुरु में इसरो वैज्ञानिकों की सभा तालियां की आवाज से गूंज उठीं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने गए पीएम नरेंद्र मोदी ने भी लैंडिंग का नजारा देखा और सभी को बधाई दी। इसी बीच भारतीय क्रिकेटर भी अपने फैंस को चंद्रयान की सफलता की बधाई देने से पीछे नहीं हटे। एक तरफ जहां आयरलैंड में खेल रही टीम इंडिया के चीयर्स की वीडियो बीसीसीआई ने शेयर की तो दूसरी ओर भारतीय क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर कीं।

शुबमन गिल को वनडे रैंकिंग में हुआ फायदा, विराट कोहली को पछाड़ा

नई दिल्ली । भारतीय बल्लेबाज शुबमन गिल आईसीसी एक दिवसीय क्रिकेट बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर रवि बिश्नोई की टी20 रैंकिंग में सुधार आया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहले वनडे के बाद आईसीसी द्वारा जारी रैंकिंग में गिल के 743 रेटिंग अंक है और वह भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में भारत की कप्तानी कर रहे बुमराह सात पायदान चढकर 84वें स्थान पर पहुंच गए जबकि बिश्नोई 17 पायदान चढकर 65वें स्थान पर हैं। बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ 143 पायदान चढकर 87वें स्थान पर हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। वनडे में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पहले और इमाम उल हक तीसरे स्थान पर हैं। भारत के विराट कोहली नौवें और कप्तान रोहित शर्मा 11वें स्थान पर बने हुए हैं। टेस्ट में भारतीय स्पिनर आर अश्विन गेंदबाजों में और रविंद्र जडेजा हरफनमौलाओं में शीर्ष पर हैं।

अभिनेत्री सैयामी खेर की गेंदबाजी से बोल्ड हुए सचिन तेंदुलकर

मुंबई । सचिन तेंदुलकर करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। हाल ही में अभिनेत्री सैयामी खेर ने सचिन से मुलाकात कर अपनी घूमर फिल्म के लिए सीखी गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए नजर आई। अभिनेत्री ने अपनी फिल्म घूमर की एक निजी स्क्रीनिंग की मेजबानी कर सचिन को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। स्क्रीनिंग के बाद सचिन ने सैयामी से अनुरोध किया था कि वह उन्हें दिखाएं कि उन्होंने फिल्म में बाएं हाथ से कैसे गेंदबाजी की थी। दरअसल घूमर में सैयामी एक बल्लेबाज की भूमिका निभाती हैं जो एक दुर्घटना में अपना दाहिना हाथ खो देती है। एक पूर्व क्रिकेटर (अभिषेक बच्चन द्वारा अभिनीत रोल) की मदद से सैयामी का किरदार अनीना बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी करना सीखती है और भारतीय टीम में अपनी जगह बनाती है।

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में चहल के खेलने की उम्मीदें खत्म

नई दिल्ली । एशिया कप के लिए भारतीय टीम का चयन हो चुका है। टीम की घोषणा सोमवार 21 अगस्त को मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कप्तान रोहित शर्मा की मौजूदगी में की। टीम में स्पिनर युजवेंद्र चहल का नाम ना होने के बाद से ही चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि एशिया कप के लिए चुनी गई टीम ही आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप की संभावित टीम है। इसके बाद लगभग तय हो गया है कि अब चहल का विश्व कप खेलना भी मुश्किल है। एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम का इंतजार काफी वक्त से हो रहा था। भारत में इस साल होने वाले आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप से पहले चुनी गई टीम टूर्नामेंट की संभावित टीम मानी जा रही है। दिग्गजों ने बताया कि इसी टीम के साथ भारत को आगे आईसीसी टूर्नामेंट में उतरना चाहिए। एशिया कप की टीम में 1 नाम का ना होना कई पूर्व क्रिकेटरों को खला है। लगभग सभी पूर्व खिलाड़ियों ने चहल का नाम टीम में ना होने पर हैरानी जाहिर की है। दरअसल जुलाई में ही एशियन गेम्स के लिए चयनकर्ताओं ने टीम का चयन किया था। इस टीम में जिन खिलाड़ियों को नाम शामिल था उनके विश्व कप खेलने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी है। एशियन गेम्स और विश्व कप का आयोजन आस पास होना है। चहल का नाम ना तब एशियन गेम्स की टीम में शामिल किया गया और ना ही एशिया कप की टीम में उन्हें जगह दी गई। चहल ने अब तक 72 वनडे मुकाबले खेलकर कुल 121 विकेट चटकाए हैं। 42 रन देकर 6 विकेट उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। 2 बार वनडे में चहल एक पारी में 5 विकेट लेने का कमाल कर चुके हैं। टी20 की बात करें तब भारत की तरफ से 80 मुकाबले में 96 विकेट चहल ने चटकाए हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 6-2 से हराया

डसेलडोर्फ (जर्मनी) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बुधवार को यहां इंग्लैंड को 6-2 से हराकर चार देशों के टूर्नामेंट-डसेलडोर्फ 2023 में तीसरा स्थान हासिल किया। भारत की ओर से नीलम (25वें मिनट), अनु (26वें और 43वें मिनट), सुनेलिता टोप्पो (35वें मिनट), हिना बानो (38वें मिनट) और मुमताज (40वें मिनट) ने गोल दागे। इंग्लैंड की तरफ से क्लॉडिया स्वेन (16वें मिनट) और चार्लोट बिनगैम (54वें मिनट) ने गोल किए।

पहले क्वार्टर में दोनों टीम ने तेज शुरुआत की लेकिन दोनों ही टीम पहले क्वार्टर में गोल करने में नाकाम रहीं। दोनों टीम का डिफेंस भी पहले क्वार्टर में काफी मजबूत रहा। भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी अच्छी शुरुआत की लेकिन मैच का पहला गोल इंग्लैंड की ओर से स्वेन ने दागा। भारत ने इसके बाद हमले तेज किए। टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे नीलम ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। मंगलवार को स्पेन के खिलाफ गोल करने वाली अनु ने शानदार मैदानी गोल दागकर भारत को बढ़त दिलाई। मध्यांतर तक भारत 2-1 से आगे था। बढ़त बनाने के बाद आत्मविश्वास से भरे भारत ने तीसरे क्वार्टर में लगातार हमले किए। सुनेलिता ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर 3-1 किया। हिना ने स्कोर 4-1 जबकि मुमताज और अनु ने भी भारत की बढ़त को 6-1 तक पहुंचाया। इंग्लैंड ने बिनगैम के गोल से हार के अंतर को कम किया।

विश्व कप शतरंज फाइनल – प्रज्ञानन्दा नें कार्लसन को ड्रॉ पर रोका

बाकू, अजरबैजान। फीडे विश्व कप शतरंज के फाइनल में मात्र 18 वर्ष की आयु में पहुँचकर इतिहास बनाने वाले भारत के आर प्रज्ञानन्दा और विश्व के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और पाँच बार के विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन के बीच पहला क्लासिकल मुक़ाबला बराबरी पर खत्म हो गया है और अब सबकी निगाहे दूसरे क्लासिकल मुक़ाबले पर लगी है जिसमें जीतने वाला खिलाड़ी विश्व कप जीत जाएगा जबकि ड्रॉ होने पर निर्णय टाईब्रेक के जरिये निकाला जाएगा। सफ़ेद मोहरो से खेल रहे प्रज्ञानन्दा नें इस मुक़ाबले में अपने वजीर के तरफ के ऊंट के सामने वाले प्यादा दो घर चलकर या यूं कहें की इंग्लिश ओपनिंग खेलकर गेम की शुरुआत की कार्लसन नें भी जबाब में कार्लसन नें अपने दोनों घोड़े बाहर निकालते हुए फोर नाइट्स वेरिएशन खेला, खेल की 7वीं चाल में कार्लसन को चौंकाया – प्रज्ञानन्दा नें यहाँ अनुभवी कार्लसन को खेल की सातवीं चाल में अपना ड्ढ4 प्यादा चलकर चौंका दिया, इस चाल का प्रयोग कार्लसन के खिलाफ 2020 में रूस के यान नेपोमनिशी नें किया था, खैर कार्लसन नें समहलकर खेलते हुए प्रज्ञानन्दा को बढ़त बनाने का कोई मौका तो नहीं दिया और प्रज्ञानन्दा की बेहतर स्थिति को भापते हुए लगातार मोहोरो की अदला बदली की, खेल की 18वीं चाल तक दोनों के वजीर भी खेल से बाहर हो गए थे और 35 वीं चाल के बाद जब दोनों के पास एक हाथी, एक घोडा और तीन प्यादे थे मुक़ाबला ड्रॉ पर समाप्त हो गया। अब कल कार्लसन जब सफ़ेद मोहरो से खेलेंगे तो प्रज्ञानन्दा कम से कम उन्हे ड्रॉ पर रोककर रैपिड टाईब्रेक पर खेल को ले जाना चाहेंगे जिसमें उन्होने विश्व नंबर 2 यूएसए के नाकामुरा और विश्व नंबर 3 फबियानों करूआना को मात दी है। विश्व कप विजेता को एक लाख दस हजार डॉलर तो उपविजेता को 80 हजार डॉलर दिये जाएंगे।

सिंधु को मिली ओकुहारा से हार, लक्ष्य ने पदक जीतने की संभावना बरकरार रखी

कोपेनहेगन (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2023 में दो पूर्व चैंपियनों के मुकाबले में जापान की नोजोमी ओकुहारा से हारकर बाहर हो गईं। हालांकि, लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर एक और पदक जीतने की अपनी संभावना बना रही हैं। 22 वर्षीय लक्ष्य ने कोरिया गणराज्य के जियोन ह्योक-जिन को 36 मिनट में हराया। भारत के लिए कुछ और झटके लगे जब वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवांगन की मिश्रित युगल जोड़ी राउंड 64 के मुकाबले में जर्मनी के जोन्स राल्फी जानसन और लिंडा एफ़लर से हार गई। स्विट्जरलैंड के बासेल में 2019 संस्करण में महिला एकल का खिताब जीतने के लिए फाइनल में ओकुहारा को हराने वाली सिंधु 44 मिनट की मुठभेड़ में जापानी स्टार से हार गईं।

सिंधु, जिन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक में रजत और फिर टोक्यो में कांस्य जीता, आमने-सामने की लड़ाई में पुरानी प्रतिद्वंद्वी ओकुहारा से 10-9 से पीछे हैं और दोनों के बीच कई करीबी मुकाबले हुए हैं। लेकिन रॉयल एरेना के कोर्ट नंबर 2 पर हुआ मुकाबला एकतरफा रहा, जिसमें सिंधू दूसरे गेम में 9-0 की बढ़त का फायदा उठाने में नाकाम रही। ओकुहारा ने 9-6 की बढ़त बनाने से पहले पहले गेम में शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। हालाँकि, सिंधु ने 9-9 से बराबरी कर ली, लेकिन जापानी शटलर ने फिर से बढ़त बना ली और 12-10 से आगे बढ़ते हुए 21-14 से पहला गेम जीत लिया। 28 वर्षीय सिंधु के लिए दूसरे गेम की शुरुआत अच्छी रही और उन्होंने 9-0 की बढ़त बना ली। ओकुहारा, जो बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में 36वें स्थान पर खिसक गई हैं जबकि सिंधु 15वें नंबर पर हैं, उन्होंने अपनी लय वापस हासिल की और लगातार पांच अंक हासिल किए और फिर 10-5 से चार और अंक जीतकर स्कोर 10-9 ला दिया। जापानी शटलर ने 12-12 के स्कोर पर सिंधु को पछाड़ा और फिर ताकत से आगे बढ़कर 21-14 से गेम जीत लिया, स्पष्ट रूप से अपनी बेहतर फिटनेस के दम पर जीत हासिल की। सिंधु को पहले राउंड में बाई मिली थी। अपने कोरियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेलते हुए लक्ष्य ने पहले गेम में शुरुआती बढ़त बनाई और फिर अपनी बढ़त बरकरार रखी। 6-4 की बढ़त से भारतीय शटलर ने 10-4 की बढ़त बनाई और फिर इसे 13-6 कर दिया। लक्ष्य ने अपना पलड़ा भारी बनाए रखा और पहला गेम 21-11 से जीत लिया। यह सिलसिला दूसरे गेम में भी जारी रहा और लक्ष्य ने 4-1 की बढ़त बना ली और जियोन ह्योक-जिन के खिलाफ हमेशा अच्छी बढ़त बनाए रखते हुए जीत हासिल की।

पुरुष और महिला खिलाड़ियों को समान वेतन देने वाला देश बना दक्षिण अफ्रीका

जोहान्सबर्ग । दक्षिण अफ्रीका पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए समान वेतन प्रदान करने वाले देशों की लिस्ट में शामिल हुआ है। द.अफ्रीका ने पुरुष और महिला क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए समान मैच फीस देने की घोषणा की है। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेटरों के लिए मैच फीस में बदलाव अगले महीने शुरू होगा जब वे एशियाई टीम के खिलाफ छह मैचों के सफेद गेंद दौरे के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेंगी। द.अफ्रीका का नवीनतम विकास राष्ट्रीय महिला टीम के लिए बेहद सफल 18 महीनों के बाद आया है, जिसमें उन्हें 2022 में न्यूजीलैंड में महिला क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचाया और फिर इसकी शुरुआत में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी कर फाइनल में जगह बनाई। न केवल महिला अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अपने पुरुष समकक्षों के समान मैच फीस अर्जित करेंगी, बल्कि महिलाओं की घरेलू लीग भी पेशेवर होंगी। नई घरेलू संरचना मौजूदा 16-टीम, दो-स्तरीय सेट-अप से अपनी रूपरेखा लेगी जिसे शीर्ष छह और निचले दस में विभाजित किया गया है, बाद वाले को पदोन्नति-प्रत्यारोपण प्रणाली के साथ पांच-पांच के दो समूहों में विभाजित किया गया है। शीर्ष छह टीमों को अब अधिकतम 11 खिलाड़ियों को अनुबंधित करने की अनुमति दी जाएगी- पिछली छह की तुलना में पांच अधिक - और वे अपने सेट-अप में अधिक पूर्णकालिक कोच और सहायक स्टाफ भी जोड़ सकेंगे। शीर्ष छह टीमें 50-ओवर और 20-ओवर की प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करेंगी, दृश्यता बढ़ाने के लिए सबसे छोटे प्रारूप के मैच पुरुषों की प्रतियोगिता के समान दिन खेले जाने की संभावना है।

लंबी कूद के फाइनल्स में पहुंचे एल्ड्रिन, श्रीशंकर क्वालीफिकेशन दौर से बाहर

मैड्रिड (एजेंसी)। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी लंबी कूद के एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन ने बुधवार को यहां पहली बार विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई किया लेकिन उनके साथी प्रतिस्पर्धी मुरली श्रीशंकर खराब प्रदर्शन के बाद क्वालीफिकेशन दौर से बाहर हो गये।

एल्ड्रिन ने अपने पहले प्रयास में 8.0 मीटर की कूद लगायी लेकिन अगले दो प्रयासों में 'फाउल' कर गए। यह प्रदर्शन उन्हें गुरुवार को होने वाले 12 खिलाड़ियों के फाइनल में पहुंचाने के लिए काफी था। फाइनल्स में वही एथलीट पहुंचते हैं जो 8.15 मीटर की कूद लगाते हैं या फिर दो क्वालीफिकेशन ग्रुप के शीर्ष 12 पर रहते हैं। मार्च में 8.42 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एथलीट के तौर पर उतरे एल्ड्रिन ग्रुप बी क्वालीफिकेशन दौर में छठे स्थान पर रहे और वह दोनों ग्रुप में सर्वश्रेष्ठ 12वें एथलीट के तौर पर अंतिम क्वालीफायर के रूप में फाइनल्स में पहुंचे।

श्रीशंकर ने 7.74 मीटर, 7.66 मीटर और 6.70 मीटर के निराशाजनक प्रयास किये। वह ग्रुप ए क्वालीफिकेशन में 12वें स्थान से कुल 22वें स्थान पर रहे। उनका क्वालीफिकेशन दौर से बाहर होना भारतीय खेमे के लिए बुरी खबर रही क्योंकि 3000 मीटर स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले पहले ही फाइनल्स में पहुंचने में विफल रहे थे जिनसे कम से कम फाइनल्स में पहुंचने की उम्मीद थी।

श्रीशंकर इस सत्र में एल्ड्रिन से ज्यादा निरंतर रहे थे, वह कई मौकों पर आठ मीटर की कूद लगाने में सफल रहे थे। उन्होंने जून में भुवनेश्वर में 8.41 मीटर से अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। जुलाई में एशियाई चैम्पियनशिप में 8.37 मीटर की कूद से उन्होंने रजत पदक जीता था। श्रीशंकर की यह तीसरी विश्व चैम्पियनशिप थी, वह 2022 विश्व चैम्पियनशिप में सातवें स्थान पर रहे थे।

एल्ड्रिन के लिए यह दूसरी विश्व चैम्पियनशिप है। वह अमेरिका में 2022 चरण में क्वालीफिकेशन दौर से बाहर हो गये थे। एल्ड्रिन और श्रीशंकर दोनों ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ लंबी कूद खिलाड़ियों की सूची में क्रमश÷पहले और दूसरे स्थान की रैंकिंग से विश्व चैम्पियनशिप में प्रवेश किया था।

मिशन चंद्रयान 3 : गुजरात के मुख्यमंत्री समेत भाजपा और कांग्रेस ने वैज्ञानिकों को दी बधाई

अहमदाबाद।

बुधवार को चंद्रयान 3 के लैंडर मॉड्युल के चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के साथ ही गुजरात समेत देशभर के लोग खुशी से झूम उठे। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत प्रदेश भाजपा और कांग्रेस ने इस सफलता के वैज्ञानिकों को बधाई दी। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट कर नागरिकों समेत वैज्ञानिकों को बधाई दी। भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट में लिखा 'आज का दिन इतिहास के पन्नों पर हमेशा के लिए अंकित हो गया है। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के साथ चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है। करोड़ों प्रार्थनाएं आज फलीभूत हुई हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए इसरो के वैज्ञानिकों को बहुत बहुत अभिनंदन प्रेषित करता हूं। उनके ज्ञान, कौशल्य और मेहनत पर पूरे देश को गर्व है।' भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट में आगे लिखा 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आज अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। आजादी के अमृतकाल की यह उपलब्धि भारत को विकसित देशों की पंक्ति में सर्वोच्च स्थान पर बिराजमान कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।' गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए ट्वीट में लिखा 'चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर उतरने वाला भारत पहला राष्ट्र बन गया है। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने का सौभाग्य मिला तब हर्ष के आंसू थे और एक नई ऊर्जा का अनुभव किया। आज पूरा देश इस ऊर्जा को महसूस कर रहा है। चंद्रयान-3 की सफलता ने सौर मंडल की अनेक नई सीमाएं खोल दी हैं। ब्रह्मांड की अनेक संभावनाएं साकार करने की दिशा में पहला सफल कदम उठाया है। इस गौरवपूर्ण दिन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हृदयपूर्वक अभिनंदन प्रेषित करता हूं और सभी वैज्ञानिकों को नतमस्तक होकर वंदन करता हूं। उनके लगातार और कठोर परिश्रम का यह अमृतफल है। आज का दिन हमारा देश कभी नहीं भूलेगा।' वहीं गुजरात कांग्रेस ने चंद्रयान-3 के सफल लैंडिंग पर ट्वीट किया। ट्वीट में लिखा 'नमन, प्रणाम, सलाम। हमारे गुजराती विक्रम साराभाई जिन्होंने भारत में अंतरिक्ष स्पेस प्रोग्राम चालू किया। जिनके सपने इसरो और उसके धुरंधर वैज्ञानिक आज इंडिया को चंद्रमा पर ले गए।'

कानून और उभरते मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023

सूरत भूमि, सूरत।

ऑरो यूनिवर्सिटी, सूरत में स्कूल ऑफ लॉ आगामी च्कानून और उभरते मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023ज की घोषणा कर रहा है, जो 24 और 25 अगस्त, 2023 को होने वाला है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्वानों के लिए एक मंच प्रदान करना है। शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और छात्रों को तेजी से विकसित हो रही वैश्विक चुनौतियों के सामने कानून के गतिशील परिदृश्य पर विचार-विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

च्कानून और उभरते मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023ज शीर्षक से, यह आयोजन निरंतर परिवर्तन की विशेषता वाली दुनिया में लगातार बदलते कानूनी परिदृश्य को संबोधित करना चाहता है। सम्मेलन का उद्देश्य समकालीन कानूनी चुनौतियों के बारे में विचारों और अंतर्दृष्टि के आदान-प्रदान में शामिल होने के लिए शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, अनुसंधान विद्वानों, विदेशी प्रतिनिधियों और छात्रों को एक साथ लाना है।

प्रोफेसर विनी कपूर, पूर्व कुलपति, बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि होंगे और श्री. रोहित पांडे, अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया एवं माननीय। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव सम्मानित अतिथि होंगे। सम्मेलन में देश भर से विविध प्रकार के संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले 150 ऑफ़लाइन और 90 ऑनलाइन उपस्थित लोग भाग लेंगे। सम्मेलन में असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, कर्नाटक आदि राज्यों से शोध पत्र और प्रतिभागी आए हैं। इसके अलावा, सम्मेलन में बांग्लादेश, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों के 10 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की भागीदारी है।

सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल न्याय, संविधान और मानवाधिकारों के लिए चुनौतियाँ, लचीले भविष्य के लिए पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखना, व्यापार में चुनौतियों और प्रगति, प्रतिस्पर्धा कानून और जैसे विषयों के तहत विशेषज्ञ वार्ता, पेपर प्रस्तुतियाँ और चर्चाएँ शामिल होंगी। आईपीआर, सामाजिक न्याय, लैंगिक न्याय और समानता, और अंतर्राष्ट्रीय कानून की समकालीन चुनौतियाँ।

लायंस क्लब इंटरनेशनल मंडल 321-बी 1, के द्वारा एक तीज उत्सव

"हरीतिमा", चंद्रकांत सी पूजारी। रविवार को होटल रेग्नांत , निरालनहार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लायन गुरजीत कौर , जो मंडलाधीश लायन तेजिंदर पाल सिंह की धर्मपत्नी है शाहजहांपुर से आई। विशिष्ट अतिथि के रूप में लायन मीरा सेठ और पूर्व मंडलाधीश लायन मंजु सक्सेना जी की उपस्थिति ने कार्य क्रम में चार चंद लगा दिये। इस कार्य क्रम में मंडल के सभी क्लबो की महिलाओं ने भाग लिया ।संगीत और नृत्य की प्रतियोगिता के अलावा तीज क्वीन की प्रतियोगिता भी हुई जिसमे तीन श्रेणी रखी गई , एक 60 वर्ष की आयु तक की महिलाओं के लिए, दूसरी 60 वर्ष के ऊपर की महिलाओं के लिए और तीसरी मेहमान महिलाओं के लिए। तीज क्वीन का ताज लायन रिम्पी कौर को पहनाया गया । लायन शालिनी वाधवा दूसरे स्थान पर और लायन अनिशा गर्ग तीसरे स्थान पर चुनी गई। वरिष्ठ महिलाओं की श्रेणी में लायन तलत अहमद, लायन इन्दु सारस्वत और लायन उषा सेंगर विजयी रही ! इस कार्यक्रम की चैरपर्सन लायन तनिमा शुक्ला एवं को चैरपर्सन लायन मनीषा खरे के कुशल नेतृत्व में हरीतिमा- तीज उत्सव बड़े धूम धाम से मनाया गया।

शेल एनर्जी कंपनी गुजरात में 3500 करोड़ का निवेश करेगी, 4300 लोगों को मिलेगा रोजगार

अहमदाबाद ।

ऊर्जा क्षेत्र की अग्रगण्य कंपनी शेल एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड गुजरात में 3500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में बुधवार को गांधीनगर में इस संबंध में राज्य सरकार तथा शेल एनर्जी के बीच एमओयू हुआ। गुजरात को बेस्ट डेस्टिनेशन फ़ॉर इन्वेस्मेंट के बेंचमार्क के रूप में स्थापित करने वाली वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की दसवीं श्रृंखला जनवरी-2024 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशा-दर्शन में आयोजित होने वाली है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस समिट को सफल बनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध आयोजन प्रारंभ किए हैं। उल्लेखनीय है कि गुजरात की वाइब्रेंट समिट देश-विदेश के निवेशकों व उद्यमियों के लिए निवेश के अवसरों की तलाश हेतु एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म बन चुका है। इस संदर्भ में वाइब्रेंट समिट-2024 के पूर्वार्ध के रूप में राज्य सरकार ने विभिन्न उद्योगों के साथ अभी से ही एमओयू करने का उपक्रम शुरू किया है। इस उपक्रम के चौथे चरण में उद्योग राज्य मंत्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में शेल एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बुधवार को एक एमओयू किया गया। इस एमओयू के अंतर्गत शेल एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 2200 करोड़ रुपए के निवेश के साथ उत्तर गुजरात के बनासकाँठा में 1200 एकड़ में रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के लिए प्लांट स्थापित करेगी। इस प्लांट के ज़रिये लगभग एक हज़ार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रोज़गार मिलेगा तथा इस प्लांट में संभवत: वर्ष 2026 तक वाणिज्यिक उत्पादन भी शुरू हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, शेल एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा राज्य में विभिन्न स्थानों पर फ़्यूल रीटेलिंग ईवी रिचार्ज स्टेशन सेक्टर में 800 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा तथा लगभग दो हज़ार लोगों को इस क्षेत्र में रोज़गार प्रदान किया जाएगा। इनके ये प्रोजेक्ट आगामी वर्ष 2027 तक कार्यरत होने वाले हैं। राज्य सरकार के साथ किए गए इस एमओयू के अनुसार शेल एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एलएनजी रीगैसीफ़िकेशन टर्मिनल, एसेट इंटीग्रिटी रिजुवेनेशनल तथा डेबोटलनेकिंग प्रोजेक्ट में भी 500 करोड़ रुपए का निवेश करने वाली है। इस प्रोजेक्ट में 375 लोगों को रोज़गार के अवसर मिलेंगे तथा यह प्रोजेक्ट भी संभवत: वर्ष 2027 तक वाणिज्यिक उत्पादन करने लगेगा। वाइब्रेंट समिट-2024 के पूर्वार्ध के रूप में हर सप्ताह आयोजित होने वाले एमओयू हस्ताक्षर उपक्रम के तीन चरणों में राज्य में विभिन उद्योगों की स्थापना के लिए कुल 3874 करोड़ रुपए के निवेश के 14 एमओयू हुए हैं। इन उद्योगों के शुरू होने से कुल साढ़े नौ हज़ार से अधिक संभावित रोज़गार के अवसर आगामी समय में पैदा होंगे। उदाहरण के तौर पर कुछ सेक्टर्स की बात करें तो, टेक्सटाइल सेक्टर में 2100, इंजीनियरिंग सेक्टर में 700, फार्मास्युटिकल सेक्टर में 500 तथा केमिकल सेक्टर में 3085 संभावित रोज़गार का सृजन होगा। चौथे चरण में बुधवार को एक ही दिन में 3500 करोड़ रुपए के निवेश के लिए शेल एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एमओयू हुआ है। शेल एनर्जी पिछले 20 वर्ष से गुजरात में बहुत सफलतापूर्वक अपने व्यवसाय-कारोबार का विस्तार करने में सफल रही है, जिसके पीछे मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में सरलता से उद्योग शुरू किए जा सकने योग्य उपलब्ध प्रो-एक्टिव एडमिनिस्ट्रेशन की सक्रिया भूमिका रही है। शेल ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के चेयरमैन श्री नितिन प्रसाद ने इस बात की सराहना की। उन्होंने कहा कि गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में देश में लीडिंग स्टेट के रूप में उभर कर आया है तथा इंडस्ट्री फ़्रेंड्ली पॉलिसीज़ और बेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर फ़ैसिलिटीज़ के कारण निवेशकों की पहली पसंद बना है।

भाजपा सांसद प्रवेशसिंह वर्मा पर भूकंप पीड़ितों की सहायता के नाम पर जमीन हड़पने का आरोप

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस ने दिल्ली के भाजपा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री साहिबसिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश सिंह पर गंभीर आरोप लगाया है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रवेशसिंह गुजरात के कच्छ जिले के दुधई गांव में भूकंप पीड़ितों की सहायता के नाम पर सरकारी जमीनें अपने ट्रस्ट के नाम पर कर बड़ा घोटाला किया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिबसिंह वर्मा की राष्ट्रीय स्वाभिमान संस्था ने कच्छ जिले के दुधई गांव को गोद लिया था। आज राष्ट्रीय स्वाभिमान संस्था का संचालन भाजपा सांसद प्रवेशसिंह वर्मा करते हैं। अहमदाबाद में गुजरात कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार परिषद में कांग्रेस महासिचव ववीके हुंबल ने बताया कि वर्ष 2001 में आए भूकंप के बाद अनेक संस्थाओं ने पीड़ितों के पुनर्वास के लिए काम किया था। भूकंप पीड़ितों को आवास समेत जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं। राष्ट्रीय स्वाभिमान संस्था ने केवल 6 महीने में गांव तैयार किया था, जिसका लोकार्पण तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने किया था। हांलाकि इस गांव के एक भी घर में शौचालय नहीं बनाया गया और ना ही फ्लोरिंग ढंग का था। भूकंप त्रासदी के 22 बीत जाने के बावजूद राष्ट्रीय स्वाभिमान संस्था आज भी दुधई गांव में डेरा जमा हुए है और कई सरकारी भूखंडों पर कब्जा कर रखा है। कई भूखंड संस्था ने खरीद कर लिए हैं तो गैर कृषि जमीनों पर गैरकानूनी निर्माण भी किया है। संस्था ने शोपिंग सेंटर भी बनाए हैं और कई दुकानें भूकंप पीड़ितों को देकर अन्य बेच दी हैं। कांग्रेस महासिचव वीके हुंबल के मुताबिक 150 आवास संस्था ने अपने पास रखे और बाकी बेच दिए। भूकंप आपदा के 22 साल बाद आज भी दुधई गांव में कई परिवारों के पास रहने को घर नहीं है। भाजपा सांसद की संस्था ने जिस गांव को बनाया है उसे अब तक ग्राम पंचायत को नहीं सौंपा। इतना ही नहीं जो कम्युनिटी होल बनाया है उसका रु. 25000 किराया संस्था वसूल करती है। पुलिस थाना और पोस्ट ऑफीस से भी किराया वसूला जाता है। जो स्कूल और कॉलेज कार्यरत हैं, उसमें तगड़ी फीस वसूली जाती है। प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारियों को किराये पर आवास दिए जाते हैं। राष्ट्रीय स्वाभिमान संस्था के प्रबंधक ने 22 आवास अपने नाम कर रखे हैं। भूकंप पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सरकार ने 35 एकड़ जमीन आवंटित की थी। लेकिन भूकंप पीड़ितों की सहायता के नाम पर भाजपा सांसद प्रवेशसिंह वर्मा ने जमीन घोटाला किया है। कांग्रेस की मांग है कि गैरकानून रूप से कब्जा करने वाली राष्ट्रीय स्वाभिमान संस्था के खिलाफ 'लैन्ड ग्रेबिंग एक्ट' के तहत केस दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की जाए।

इंडेल मनी को पहली तिमाही में हुआ 21 करोड़ रुपये का बढ़िया मुनाफा

मुंबई ।

इंडेल कॉरपोरेशन की फ्लैगशिप कंपनी व एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इंडेल मनी ने वित्त वर्ष 2023-4 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों का ऐलान किया है, जिसमें कंपनी को 21 करोड़ रुपये का ठोस मुनाफा हुआ है. कंपनी के मुनाफ में तिमाही दर तिमाही आधार पर 63 फीसदी की वृद्धि हुई है. कंपनी के शानदार प्रदर्शन से टिकाऊ वृद्धि व परिचालन की दक्षता को लेकर प्रतिबद्धता तथा गोल्ड लोन की डिमांड में ओवरऑल रेसिलिएंस का पता चलता है।

पहली तिमाही के दौरान कंपनी का एयूएम सालाना आधार पर 61 फीसदी बढ़कर 1294.44 करोड़ रुपये हो गया. एनुअल डिस्बर्समेंट रेट सालाना आधार पर बढ़कर 40 फीसदी हो गया और यह 2023-2024 की पहली तिमाही में 8 50.64 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. कुल डिस्बर्समेंटमें गोल्ड लोन ने 92 फीसदी का योगदान दिया. 2023-24 की पहली तिमाही में साल भर पहले की तुलना में रेवेन्यू में 74 फीसदी की बढ़ोतरी आई।

इंडेल मनी के एक्सीक्यूटिव डाइरेक्टर एवं सीईओ उमेश मोहनन ने प्रदर्शन पर कहा, "हमें वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 21 करोड़ रुपये के मुनाफे की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है. यह उपलब्धि वृद्धि को लेकर हमारे अटूट समर्पण और बाजार की बदलती स्थितियों के अनुकूल ढलने की हमारी क्षमता का प्रमाण है. डिस्बर्समेंट के उच्च स्तर और गोल्ड लोन पर फोकस ने कंपनी की शानदार बिजनेस ग्रोथ में योगदान दिया है।"

कंपनी की सिक्योर्ड एनसीडी की तीसरी किस्त 88 फीसदी ओवरसब्सक्राइब हुई।

कंपनी को एसोचैम नेशनल समिट एंड अवार्ड्स ऑन कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट के दौरान इश्यूअर ऑफ दी ईयर- पब्लिक इश्यूएंस रनर अप अवार्ड से सम्मानित किया।

कंपनी को काम करने के सकारात्मक माहौल के कारण 2023-2024 में लगातार तीसरे साल "ग्रेट प्लेस टू वर्क" अवार्ड मिला है.

इंडेल मनी नियामकीय जरूरतों को पूरा करते हुए अच्छा कैपिटल एडीकेसी रेशियो (सीएआर) को मेंटेन कर रही है। कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2024 में 100 से ज्यादा ब्रांच खोलने और चार नए राज्यों में कारोबार फैलाने की है।

पारुल युनिवर्सिटी के ऑनलाईन एमबीए कोर्स में नामांकन के लिए कुछ ही दिन हैं बाकी

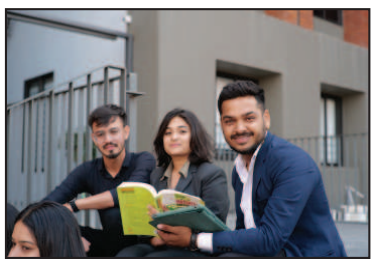

भारत । यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की प्रतिष्ठित प्राइवेट युनिवर्सिटी पारूल युनिवर्सिटी ने अपने ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम में प्रवेश की अंतिम दिनांक 31 अगस्त 2023 की घोषणा कर दी है। वे उम्मीदवार जो इस कोर्स के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे ऑफिशियल वेबसाईट के ज़रिए दिए गए रजिस्ट्रेशन लिंक के माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देते हुए पारूल युनिवर्सिटी ने दो वर्षीय ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम की शुरूआत की, जिसे आसानी से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के ज़रिए किया जा सकता हैं यह प्रोग्राम छात्रों को बिज़नेस शिक्षा एवं मैनेजमेन्ट में प्रशिक्षण देता है। इसका सोच-समझ कर डिज़ाइन किया गया पाठ्यक्रम बेहद प्रत्यास्थ और सुविधाजनक है, जो नेटवर्किंग से जुड़े हर पहलु पर रोशनी डालता है।

दो साल की अवधि में चार सेमेस्टर में पूरा होने वाला यह ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम छात्रों को दूसरे वर्ष में स्पेशलाइज़ेशन चुनने का मौका देता है। पारूल युनिवर्सिटी में 20 स्पेशलाइज़ेशन की व्यापक रेंज उपलब्ध है, ऐसे में छात्र अपनी पसंद और उद्योग जगत की ज़रूरत के अनुसार अपना प्रोग्राम चुन सकते हैं।

इस स्पेशलाइज़ेशन में एग्रीकल्चर मैनेजमेन्ट से लेकर बैंकिंग एवं फाइनैंशियल सर्विसेज़, डिजिटल मार्केटिंग एवं सेल्स मैनेजमेन्ट, एंटरप्रेन्योरशिप एवं इनोवेशन डेवलपमेन्ट, फेमिली-मैनेज्ड बिज़नेस, हेल्थकेयर मैनेजमेन्ट, इंटरनेशनल ट्रेड एण्ड बिज़नेस, लॉजिस्टिक्स एण्ड सप्लाई चेन मैनेजमेन्ट, फार्मास्युटिकल मैनेजमेन्ट, प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट, पब्लिक पॉलिसी, रीटेल मैनेजमेन्ट, टूरिज़्म एवं इवेंट मैनेजमेन्ट, ऑपरेशन मैनेजमेन्ट, फोरेन्सिक अकाउन्टिंग एवं कॉर्पोरेट फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन, बिज़नेस एनालिटिक्स इनफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट, फाइनैंस मैनेजमेन्ट और मार्केटिंग मैनेजमेन्ट तक सभी प्रोग्राम शामिल हैं।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ कुंजल सिन्हा, डायरेक्टर, सेंटर फॉर कन्टीन्युइंग एजुकेशन एण्ड ऑनलाईन लर्निंग, पारूल युनिवर्सिटी ने कहा, ''पारूल युनिवर्सिटी में ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम बिज़नेस मैनेजमेन्ट की समृद्ध परम्पराओं को आगे बढ़ाने की पुष्टि करता है। यह प्रोग्राम छात्रों को आज के प्रतिस्पर्धी दौर में ज़रूरी जानकारी पाने, कनेक्शन बनाने और बिज़नेस मैनेजमेन्ट से जुड़े हर पहलु को सीखने का अवसर देता है।'

स्कोडा ऑटो इंडिया ने अगस्त 2023 के लिये एक्सचेंज कार्निवल लॉन्च किया

मॉडल अपडेट्स और ग्राहक सेवा की पहलों को जारी रखते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया ने अगस्तअ 2023 के लिये एक्सचेंज कार्निवल लॉन्च किया है। इसमें ग्राहक के लिये फायदेमंद कई डील्स, डिस्काउंट्स और सर्विस, मेंटेनेन्स तथा वारंटी के पैकेजेस शामिल हैं, जो उनकी नई स्कोडा कारों का मालिक बनने के अनुभव को और भी बेहतर बनाएंगे।

इस एक्सचेंज कार्निवल का मकसद स्कोंडा खरीदने की चाहत रखने वाले ग्राहकों को स्वामित्व का बेहतरीन अनुभव और महत्व प्रदान करना है। अगस्ता 2023 के लिये एक्स चेंज कार्निवल सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों को कार खरीदने और एक्सचेंज करने का यादगार तथा उच्च महत्वा वाला अनुभव मिले और इसके लिये मेंटेनेन्स और वारंटी के कुछ बेजोड़ पैकेज ऑफर किये गये हैं, जो सुनिश्चित करते हैं कि ग्राहक स्कोडा की कारों का मजा लेते रहें और स्वापमित्वच का अनुभव परेशानी से मुक्तत रहे।

एक्सचेंज कार्निवल के तहत, स्कोडा ऑटो इंडिया 60,000 रूपये तक के फायदे और 70,000 रूपये तक के कॉर्पोरेट फायदों की पेशकश कर रही है। इच्छाइ होने पर ग्राहक अपनी मौजूदा कार लेकर आ सकता है और स्कोडा लेकर लौट सकता है, वह भी सबसे तेज और परेशानी से मुक्त , सिंगल विंडो, सिंगल-टाइम एक्सचेंज, खरीदी एवं डॉक्यूकमेंटेशन के अनुभव के साथ। इसमें मौजूदा कार का उच्च तम संभव मूल्ये मिलता है और ब्राण्डह न्यू स्कोडा के लिए वे कुछ खरीदारी लाभ, मेंटेनेन्सच और वारंटी पैकेज प्राप्त कर सकते हैं।

इस एक्सनचेंज कार्निवल में पुरानी कारों के लिये सबसे अच्छे दामों के अलावा, ग्राहकों को नई स्कोडा कारों के लिये 4 साल का कॉम्प्लीमेंटरी सर्विस और मेंटेनेन्सस पैकेज भी मिलेगा। इसके अलावा, ग्राहकों को 4000 रूपये तक के विस्तामरित वारंटी के फायदे भी मिलेंगे और इस तरह यह एक्सचेंज कार्निवल अपनी पुरानी कारों के लिये पूरे दाम पाने और स्कोडा के स्वामित्व के बेजोड़ अनुभव के लिये वारंटी तथा मेंटेनेन्सं के पैकेज लेने का बिलकुल सही समय है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)